दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7
3 गोरखपुर में विकास यादव की हत्या
5 लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण
8 क्रिकेट से शतरंज तक

UPHIN/2023/90814 | वर्षः 03, अंकः 27 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 29 दिसम्बर ,2025

'बार्डर खोल दो, हमें बचा लो...' बांग्लादेश में फंसे

हिन्दुओं की भारत से गुहार

नई दिल्ली,एजेंसी

बांग्लादेश एक बार फिर से भी हिंसा की आग में झुलस रहा है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। हाल में दीपू चंद्र दास और अमृत मंडल की भयावह हत्या कर दी गई। इस बीच त्रस्त बांग्लादेश में फंसे और सताए जा रहे हिंदू नागरिक आतंक से बचने के लिए भारत से सीमाएं खोलने की गुहार लगा रहे हैं।

इस बीच निर्वासित बांग्लादेश सनातन जागरण मचा नेता निहार हलदर की मदद से रंगपुर, चटगांव, ढाका और मयमनसिंह में रहने वाले हिंदू नागरिकों से बातचीत की गई। टीओआई के हवाले से बताया गया कि व्हाट्सएप कॉल पर इन लोगों ने बात की गई।

बांग्लादेश में अशांति के बीच अल्पसंख्यकों की गुहार

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हिंसा के बाद हिंदू नागरिक भयभीत हैं, खासकर दीपू चंद्र दास और अमृत मंडल की हत्याओं से। वे भारत से सीमाएं खोलने की गुहार ..

क्या कह रहे बांग्लादेश के हिन्दू अल्पसंख्यक

रंगपुर के एक 52 वर्षीय निवासी का कहना है कि वे अपने धर्म के कारण लगातार अपमान सह रहे हैं। उन्होंने बताया कि ड़क पर चलते समय हमें जो ताने सुनने को मिलते हैं, वे जल्द ही भीड़ द्वारा की जाने वाली हत्याओं में तब्दील हो सकते हैं।

आगे कहा कि अल्पसंख्यक हिंदुओं का कहना है कि हम फंस गए हैं और हमारे पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है। हम इसलिए अपमान सह रहे हैं, क्योंकि हमें डर है कि जो दीपू या अमृत का हुआ वैसा हाल हमारा ना हो जाए।

बांग्लादेश के हिंदूओं को सता रही इस बात की चिंता

वहीं, ढाका के रहने वाले एक अन्य हिंदू निवासी ने कहा कि अगर दीपू दास की पीट–पीटकर हत्या ने डर पैदा किया है, तो पूर्व राष्ट्रपति खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान की बांग्लादेश वापसी ने उन्हें और भी चिंतित कर दिया है। अगर बीएनपी सत्ता में आती है, तो हमें और भी उत्पीड़न का सामना करना पड़ सकता है। शेख हसीना की अवामी लीग ही हमारी एकमात्र रक्षक थी। सनातन जागरण मचा के एक कार्यकर्ता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि बांग्लादेश में कुल 25 लाख हिंदू आबादी है। इस संख्या को छोटा नहीं आका जा सकता है। भारत में हिंदू संगठन दिखावे की बातें कर रहे हैं, कुछ नहीं। हम एक नरसंहार की ओर बढ़ रहे है। वहीं, मयनसिंह के एक निवासी का कहना है कि ऐसा नहीं है कि सीमाएं खुलने के बाद हिंदुओं का पलायन होगा, लेकिन कम से कम हम हिंसा से सुरक्षित तो रहेंगे। उधर, ढाका के एक हिंदू का कहना है कि हम सबसे बुरे सपने जैसी जिंदगी जी रहे हैं। भारतीय सीमाएं खुलने से कम से कम उत्पीड़न का सामना कर रहे लोगों के लिए एक सुरक्षित रास्ता तो खुल जाएगा।

गोरखपुर,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र के जिलों में भेड़िये और तेंदुए के बाद अब टाइगर ने दस्तक दे दी है। नेपाल सीमा से सटे कई गांव दहशत के साए में हैं। लोग घरों से बाहर निकलने में डर रहे हैं। कारण... लगभग हर दिन आदमखोर जंगलियों के हमले में या तो किसी की जान जाती है या फिर कोई घायल होता है। सबसे ज्यादा बच्चे व महिलाएं इन आदमखोरों का शिकार बनते हैं।

आधार का मोबाइल नंबर और पता अपडेट करने के लिए सेवा केंद्र जाने की जरूरत नही

लखनऊ,संवाददाता। आधार कार्ड पर मोबाइल नंबर और पता अपडेट करवाने के लिए अब जन सेवा केंद्र जाने की जरूरत नहीं है। एप का ट्रायल पूरा हो गया है। आधार का मोबाइल नंबर और पता अपडेट करने के लिए अब आपको सेवा केंद्र पर नहीं जाना पड़ेगा। आधार एप पर ये दोनों सुविधाएं उपलब्ध हैं। तीन सप्ताह पहले ट्रायल के तौर पर शुरु किया गया एप अब पूरी तरह काम करने लगा है। हालांकि नाम, जन्मतिथि और ईमेल अपडेट करने के लिए अभी सेवा केंद्र ही जाना पड़ेगा।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के अफसरों ने बताया कि एप की लॉन्चिंग जनवरी में आधिकारिक तौर पर की जाएगी। पिछले सप्ताह से ट्रॉयल चल रहा है जो सफल रहा है। आधार का नाम एप अभी केवल एंड्रॉयड फोन के लिए है।

एप डाउनलोड करने के बाद आधार नंबर व बायोमीट्रिक से लॉगिन करना होगा। उसके बाद मोबाइल नंबर व पता अपडेट कर सकते हैं। पता अपडेट करने के लिए संबंधित दस्तावेज अपलोड करना अनिवार्य है। एप में नाम व ईमेल अपडेट करने का भी विकल्प शो हो रहा है लेकिन अभी वह चल नहीं रहा है। आने वाले समय में दोनों सुविधाओं को भी शुरु किया जाएगा।

न्यूजीलैंड के पीएम ने भारत के साथ व्यापार समझौते को बताया ऐतिहासिक

दिल्ली,एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता हो गया है। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री इस समझौते को ऐतिहासिक बता रहे हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के ही विदेश मंत्री ने इस समझौते की आलोचना की है और इसे जल्दबाजी में किया गया समझौता करार दिया है। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने भारत के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते की तारीफ की है और इसे अपनी सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि और भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। हालांकि उनकी ही सरकार के विदेश मंत्री ने इस व्यापार समझौते पर कड़ी आपत्ति जताई थी। लक्सन ने कहा, हमने अपने पहले कार्यकाल में भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता करने का वादा किया था और हमने उसे पूरा किया। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों वाला बाजार उपलब्ध होने से ज्यादा नौकरियां, अच्छी कमाई और बेहतर निर्यात की राह खुलेगी।

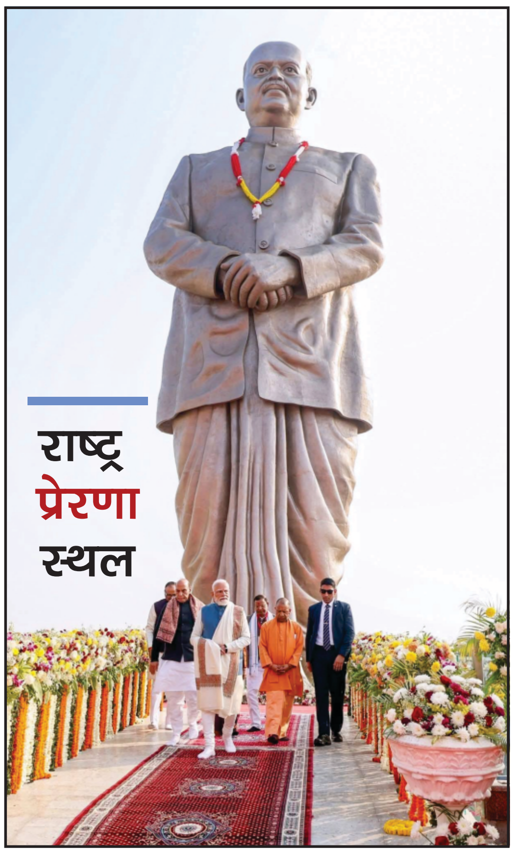

कार्बाइड गन से पूर्वांचल में 65 बच्चों की आंखों की रोशनी गई

दीपावली पर 300 रुपये में बिक रही थी बंदूक

वाराणसी,संवाददाता। पूर्वांचल में कार्बाइड गन से 65 बच्चों की आंखों की रोशनी चली गई। इनमें 30 बच्चे 14 साल से कम उम्र वाले हैं। दिवाली पर कार्बाइड गन का जमकर इस्तेमाल हुआ था। बीएचयू और बनारस के निजी अस्पतालों में इनका इलाज चल रही है। दीपावली पर प्लास्टिक से बनी कार्बाइड गन से पूर्वांचल के 65 बच्चों की आंखों की रोशनी चली गई है। इनकी रोशनी वापस लाने का अब सर्जरी ही विकल्प है। यूट्यूब पर देखकर 300 रुपये में प्लास्टिक के पाइप से बनाई इस गन का दो महीने पहले दिवाली पर जमकर उपयोग किया गया।

आंखें जख्मी हुई तो पूर्वांचल और बिहार से बच्चों को बीएचयू, बनारस के बाकी अस्पतालों में इलाज के लिए लाया गया। इनमें से 30 से ज्यादा बच्चों की उम्र 5 से 14 साल है। 18 से 23 साल के 10 युवाओं की आंखों की रोशनी भी गई है। कार्बाइड के चलते इन बच्चों के आंखों की काली पुतली आपस में चिपक गई। इन बच्चों का दो महीने से इलाज चल रहा है। कुछ बच्चों की सर्जरी बीएचयू के क्षेत्रीय नेत्र संस्थान में जनवरी के दूसरे हफ्ते में होना है।

शादीशुदा युवक से अफेयर... घर से भागे, फिर वापस आए

गोंडा,संवाददाता। प्रेमिका ने ट्रेन से कटकर जान दे दी। वहीं, प्रेमी ने भी फंदा लगा लिया। 21 दिसंबर को दोनों घर से चले गए। 24 दिसंबर को बहराइच में मजिस्ट्रेट के समक्ष युवती ने प्रेमी के साथ रहने का बयान दिया। गुरुवार को दोनों ने खुदकुशी कर ली। यूपी के गोंडा जिले में गोंडा–लखनऊ रेलमार्ग पर पिपरी गांव के पास बृहस्पतिवार शाम एक युवती ने

ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। 100 मीटर की दूरी पर उसके प्रेमी ने पेड़ में फंदा बांधकर फांसी लगा ली। आरपीएफ की सूचना पर करनैलगंज पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। युवक के पास मिले मोबाइल में खुदकुशी के पहले का युवक व युवती का एक वीडियो मिला। इस वीडियो में दोनों ने खुदकुशी की बात कही है। कौड़िया थाना क्षेत्र के बखरिया झाला गांव निवासी नीरज मौर्य (25) का बहराइच के विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र के गुलरिहा गांव की रहने वाली लक्ष्मी मौर्या (20) से पांच साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों चोरी–छिपे एक–दूसरे से मिलते थे। करीब दो साल पहले इसकी जानकारी होने पर नीरज के परिजनों ने दूसरी युवती से उसकी शादी करा दी।

सम्पादकीय

मंडी से सुखद पहल

हिमाचल महोत्सव संस्कृति की जिन गलियों से निकलते हैं, वहां मंडी शिवरात्रि की तैयारियों ने एक नया शपथ पत्र बनाया है। एक प्रतिज्ञा ली जा रही है इस बार शिवरात्रि पूरी तरह हिमाचली कला और कलाकार को समर्पित होगी। यहां इन मंसूबों को टॉर्च दिखाने का काम धर्मपुर के विधायक चंद्रशेखर ने किया है, तो उनके नाम हिमाचल के कलाकार जरूर शाबाशियां देंगे। इस मंच का संरक्षण जरूरी है और शिवरात्रि महोत्सव ने बाहें खोलकर हिमाचल गीत–संगीत का आलिंगन किया है। मंडी शहर अपनी स्थापना के पांच सौ वर्षों से गुजर रहा है, तो इतिहास भी अपने पन्नों के दिल खोल रहा है। बेशक हिमाचल के सांस्कृतिक समारोहों में विविधता आ रही है। पहली बार धर्मशाला कार्निवाल ने हनुमान मंदिर से शोभायात्रा की ओर कदम बढ़ाए हैं, तो अब साहित्य की ओज में ऐसे समारोहों की खिड़कियां खुल रही हैं। अंततः पूछा और महसूस तो यही किया जाएगा कि समारोहों का माहौल क्या है। एक रौनक का सफर, नए व्यापार की डगर, सरकारी विभागों की प्रदर्शनियों की नजर और गीत–संगीत का असर दिखाई देता है। महाशिवरात्रि के तीन जलेब के जरिए हम परंपराओं के कई युग लांघते हैं, तो पकवानों के जरिए कुछ नया अनुभव करते हैं, लेकिन इस उत्सव के अब सौदागर नजर आने लगे हैं। मेले और सांस्कृतिक समारोह बढ़ रहे हैं, तो इनके आयोजनों की परिधि, परिकल्पना और प्रशस्ति का मूल्यांकन भी होना चाहिए। जाहिर है भाषा, कला, संस्कृति विभाग या अकादमी के पास न ऐसा बजट और न ही आयोजन क्षमता है कि इनका नेतृत्व करे, इसलिए अब सांस्कृतिक आयोजन सियासी या प्रशासनिक मुद्रा व मुद्राओं में अपने होने की खबर देते हैं। बेहतर होगा एक मेला एवं महोत्सव विकास प्राधिकरण का गठन करके, ऐसे समारोहों के आयोजन का मानकीकरण करते हुए इन्हें आर्थिकी से जोड़ें। बात एक शिवरात्रि या कार्निवाल की नहीं, बल्कि दर्जनों समारोहों व मेलों की है।

किसी एक समारोह की कश्तियां चलाने के लिए अगर तीन से पांच करोड़ भी खर्च हो गए, तो इसका अर्थ प्रादेशिक व्यवस्था व वित्तीय अनुशासन में खोजने होंगे। इन उत्सवों–महोत्सवों व मेलों का वार्षिक कैलेंडर, बजट, आर्थिक स्रोत तथा आयोजन की रूपरेखा तैयार होनी चाहिए। कलाकारों का वर्गीकरण तथा उनके साथ वार्षिक अनुबंध की रूपरेखा तय होनी चाहिए ताकि हर कलाकार के मानदंड व कार्यक्रमों की संख्या पहले से ही तय हो। अतीत में ऐसे भी रिकार्ड हैं कि कोई एक पंजाबी कलाकार पूरे साल में इतना पारिश्रमिक उगा कर ले गया जिससे नया उत्सव जन्म ले सकता था। वार्षिक उत्सवों और मेलों के आयोजन को अब नए स्थल, ट्रैफिक प्लान व पार्किंग व्यवस्था की जरूरत है। इस परिप्रेक्ष्य में हर प्रमुख शहर की चारों दिशाओं में कम से कम चार नए मैदान विकसित करने होंगे, जबकि हर गांव तक एक सामुदायिक मैदान की जरूरत पूरी होनी चाहिए। वार्षिक आयोजनों के अलावा मंदिर ट्रस्टों की आय से कलाकेंद्रों का विकास संभव है। कम से कम सरकार चामुंडा, कांगड़ा, बैजनाथ, दियोटसिद्ध, ज्वालामुखी, नयनादेवी, चिंतपूर्णी व बाला सुंदरी मंदिर परिसरों में हिमाचली कलाकेंद्र विकसित करके प्रदेश के कलाकारों का प्रदर्शन कर सकती है। ऐसा मंच मिलेगा, जहां हर दिन कला के शो चलाए जा सकते हैं। इतना ही नहीं चंबा, मसरूर, सुजानपुर, पुराना कांगड़ा सहित तमाम ऐतिहासिक व धरोहर स्थलों पर वार्षिक समारोहों की शुरुआत होनी चाहिए जबकि शिमला के रिज, धर्मशाला के शहीद स्मारक तथा गरली–परागपुर जैसे स्थलों पर नियमित लेजर शो चलने चाहिएं। हिमाचल के भाषा, कला व संस्कृति विभाग को प्रदेश के इतिहास, जीवनशैली, ट्राइबल लाइफ, वन्य जीव, प्राकृतिक संसाधनों, परंपराओं व विविध खान–पान के आधार पर तमाम संग्रहालयों में सजीव कार्यक्रम शुरू करने चाहिएं।

अरावली में खनन रोकें

पर्वतमालाएं किसी भी देश की प्रहरी और सुरक्षा–कवच होती हैं। उन्हें क्यों खोदा और छीला जाए? खनिज माफिया कहीं और खुदाई करके मुनाफा कमा सकता है। कमोबेश उसे तो छोड़ दिया जाए, जो इनसानी अस्तित्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सर्वोच्च अदालत ने अरावली पर्वतमाला पर समिति की अनुशंसाएं मानते हुए जो फैसला सुनाया था, उसे ब्रह्म–वाक्य नहीं माना जा सकता। सर्वोच्च अदालत अपने फैसलों पर पुनर्विचार करती आई है, लिहाजा अरावली पहाडि़यों की 100 मीटर ऊंचाई के मानदंड पर भी पुनर्विचार किया जा सकता है। जिस पहाड़ी की ऊंचाई 100 या अधिक मीटर है, वह अरावली है, शेष पहाडि़यां लावारिस हैं। यह कैसे स्वीकार्य हो सकता है? संपूर्ण अरावली पर्वतमाला को सुरक्षित और संरक्षित किया जाना चाहिए। आज अरावली का नंबर है, कल हिमालय को भी खंडित किया जा सकता है! अरावली पर्वतमाला राजधानी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात में 692 किमी लंबी है। इसमें से अधिकांश हिस्सा राजस्थान के तहत आता है। यह देश की सबसे प्राचीन और अरबों साल पुरानी धरोहर है, लिहाजा आदरणीय भी है। जन–आंदोलन राजस्थान में ही नहीं, शेष राज्यों में भी उग्र करना चाहिए, क्योंकि यह पर्वतमाला हमारे अस्तित्व से जुड़ी है। जब ये पहाडि़यां नहीं रहेंगी, तो देश की राजधानी दिल्ली समेत मैदानी इलाकों की कितनी भयावह, गरम और मरुस्थलीय स्थितियां होंगी, यह सोच कर भी दहशत होने लगती है। यदि लगातार खनन के बाद अरावली पर्वतमाला शेष नहीं रही, तो राजधानी दिल्ली समेत उत्तरी भारत गरम और रेतीली हवाओं में घिर जाएंगे। धीरे–धीरे रेत के पहाड़ आकार लेंगे और रेगिस्तान दिल्ली, हरियाणा, गुजरात तक भी फैल जाएगा। राजस्थान का काफी हिस्सा आज ही मरुस्थल है। खनन और वनों की कटाई बढ़ी, तो दिल्ली–एनसीआर में पीएम 10 और पीएम 2.5 सरीखे प्रदूषण के कण बहुत तेजी से बढ़ेंगे। नतीजतन वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाश्वत रूप से 'गंभीर' या 'अत्यंत खतरनाक' श्रेणी में ही रहेंगे। आज राजधानी क्षेत्र के निवासी गर्मियों में 48–50 डिग्री सेल्सियस तापमान झेल कर ही बिलबिलाने लगते हैं। मरुस्थलीय स्थितियों में तापमान बढ़ेगा और प्राकृतिक ठंडक खत्म हो जाएगी, तो क्या होगा? राजधानी क्षेत्र हमेशा धुंध–कोहरे में घिरा रहेगा, तो कैसा महसूस करेंगे? अरावली पर्वतमाला अपनी ऊंचाई के कारण प्राकृतिक रूप से धूल–अवरोधक है, जो थार मरुस्थल और उत्तरी भारत के उपजाऊ मैदानों के बीच एक प्राकृतिक दीवार का काम करती है।

मानसून की हवाओं को रोक कर बारिश कराती है, लिहाजा पर्वतमाला को छिन्न–भिन्न करने से हरियाणा और राजस्थान में अकाल की नौबत भी आ सकती है। वह दिल्ली–एनसीआर और गुजरात में भी खाद्य–संकट पैदा कर सकती है। तो अरावली में खनन, खुदाई क्यों की जाए? हालांकि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव का बयान है कि खनन अरावली पर्वतमाला के पूरे क्षेत्र के मात्र 0.19 फीसदी भाग में ही होता है। राजधानी दिल्ली में खनन की कोई भी अनुमति नहीं है, लेकिन फरीदाबाद और गुरुग्राम के जंगलात में जाकर मंत्री जी ने कभी जायजा लिया है। हरियाणा में भिवानी जिले के तोशाम विधानसभा क्षेत्र के एक गांव–खानक–का एक दृश्य सामने आया है। उस छोटे से गांव में हर 100 कदम पर 300 क्रशर मशीनें पहाडि़यां खोद रही हैं। वहां 150 से अधिक खनन साइट हैं, जहां हर वक्त 500 से अधिक डंपर मौजूद रहते हैं। गांव में करीब 1500 घर हैं। हरेक के घर की दीवारों में या तो दरारें आ गई हैं अथवा प्लास्टर उधड़ चुके हैं। क्या खनन की इजाजत इसलिए दी जाती रही है कि पहाडि़यों से बेशकीमती खनिज निकलते हैं और माफिया अमीर होता चला जाता है? अरावली पर्वतमाला के औसतन प्रत्येक हेक्टेयर में 20 लाख लीटर भू–जल पुनः भरने की अपार क्षमता है। कल्पना कीजिए, जब पानी ही नहीं होगा, तो क्या खेती करेंगे और क्या पीएंगे? अरावली को काटने–छांटने से एक दिन ऐसा होगा कि बनास, लूणी, साहिबी जैसी अरावली की नदियां ही सूख जाएंगी। तेंदुआ, भेडि़या, सियार जैसे जंगली जानवर और असंख्य वनस्पतियां भी विलुप्ति के कगार पर आ सकते हैं। प्रधानमंत्री और मंत्री जी! आप के जिम्मे अभी बहुत से काम हैं। अरावली आपके घोषणा–पत्र का एजेंडा भी नहीं है। कृपया इसे बख्श दें अथवा जन–आंदोलन का सामना करें। प्रकृति का संरक्षण सरकार का पहला कत्र्तव्य है। हालांकि सामूहिक समाज की जिम्मेवारी भी है कि वह प्रकृति का विनाश न होने दे और अपनी भूमिका निभाए।

पंचायतों के बढ़ते दायरे

प्रगति, विकास और स्थानीय स्वशासन की बागडोर में नए संकल्प और सुधार लाने की जरूरत से पंचायती राज संस्थाओं के दायरे में परिवर्तन आ रहा है। हालांकि परिवर्तन का परिणाम छोटा है, फिर भी मकसद की शर्त पर कुछ कसौटियां तय हो रही हैं। सोलन और ऊना में छह नई पंचायतों का गठन सिर्फ चुनाव के नए दायरे नहीं, बल्कि नए क्षितिज की तलाशी भी है। इन दोनों जिलों में कई पंचायतें पूरी तरह औद्योगिक रूप से चिन्हित हैं और इसी के परिप्रेक्ष्य में नई पंचायतों का वजूद भी आर्थिक व राजनीतिक निवेश को आमंत्रण दे रहा है। हिमाचल की भौगोलिक, सामाजिक, राजनीतिक तथा आर्थिक स्थिति के बीच स्थानीय निकायों की बनावट व चुनावी लिखावट का एक खास मुकाम है। इसी संदर्भ में नई पंचायतों के अलावा 31 का पुनर्गठन अपने संकेतों से प्रदर्शित है। हालांकि एक सीमित परिदृश्य में पंचायती राज संस्थाओं के दायरे बदले जा रहे हैं, फिर भी इस प्रक्रिया के मुकम्मल होने के बाद ही चुनावी माहौल बाहर आएगा। हिमाचल की छोटी–बड़ी चुनावी कसरतें अपनी शुरुआत में गांवों की परिक्रमा करती हैं और यही दस्तूर सियासी दलों के लिए साहसिक हो जाता है। पूरा महकमा छह नई पंचायतों के गठन से औद्योगिक शहरों की फैलती सूरत देख रहा है, जबकि प्रदेश में शहरीकरण के फैलाव ने टीसीपी कानून के दरवाजे पर दस्तक देनी शुरू की है। भले ही धर्मशाला–शिमला के नगर निगमों की शहरी गणना के बाद मंडी, सोलन, पालमपुर और अब हमीरपुर–ऊना की शहरी तस्वीर में कई पंचायतें दाखिल हो चुकी हैं, लेकिन पंचायतों में घुसे शहरों को व्यवस्थित करने के लिए कहीं ग्रामीण क्षेत्रों का वजन घटाना पड़ेगा, तो कहीं स्थानीय निकायों के पुनगर्ठन में कुछ पंचायतों का लेबल हटाना पड़ेगा। हम चुनाव की खुराक में ग्रामीण हलकों को पुष्ट रखते हैं, जबकि शहरीकरण, औद्योगीकरण तथा ग्रामीण आर्थिकी की घटती जमीन का मकसद अब नए शहरी निकाय ही पूरा करेंगे। उदाहरण के लिए प्रदेश के छावनी क्षेत्र से बाहर हो रहे क्षेत्रों को पंचायतों की जिल्द में सांस मिलेगी या इनकी व्यवस्था कि लिए शहरी निकाय को आवाज देनी होगी। योल छावनी से मुक्त हुए क्षेत्र पंचायतों के दरवाजे पर माथा रगड़ रहे हैं, जबकि आजादी के पहले से ही इन इलाकों के बाशिंदे शहरी व्यवस्था में अतिरिक्त नागरिक सुविधाएं पा रहे थे। नतीजतन योल कैंप के नागरिक क्षेत्र में कुछ ही अवधि के बाद कूड़े के ढेर, सड़ांध और बाकी सुविधाओं की शून्यता पैदा हो गई है। कायदे से यह क्षेत्र धर्मशाला नगर निगम के तहत शहरीकरण के दायरे में आ चुका है, लेकिन नागरिक चेतना (?) अब गांव में सुस्ताना चाहती है। गांव व शहर की परिभाषा के सारे मायने हिमाचल में नेताओं की मुट्ठी में बंद हैं, जहां मुफ्त की सेवाओं में नागरिक को मतदाता के रूप में देखा जाता है। एक ओर टीसीपी के प्रावधान और दिक्कतों के बीच मंत्री महोदय के समाधान,लेकिन आज तक शहरी एवं ग्रामीण सीमाओं का पुनगर्ठन स्पष्ट नहीं हो पाया। साडा की असफलता किसी क्षेत्र के विशेष दर्जे, परियोजना व भविष्य को सुनिश्चित नहीं कर पाई, तो आर्थिक जरूरतों का समाधान कैसे होगा। बैजनाथ को पपरोला से मिलकर एक उत्तम परिवेश चाहिए या नई आर्थिक क्रांतियों के शहरों को विकास का नक्शा चाहिए, तो भोटा, चिंतपूर्णी, शाहपुर, राजगढ़, भुंतर, घुमारवीं, दियोटसिद्ध–शाहतलाई, नयनादेवी, सरकाघाट व सिहुंता–चुवाड़ी से जुड़ रहे गांवों की तस्वीर में पंचायतों के घुंघरू कब तक बजेंगे।

यूनुस की भूमिका ही संदेहास्पद

भारत ने बांग्लादेश को 2024 और 2025 में 120–120 करोड़ रुपए के पैकेज दो बार दिए। 'लाइन ऑफ क्रेडिट' में 25 फीसदी कर्ज ब्याज की बेहद आसान दरों पर दिया। भारत बांग्लादेश को 60 फीसदी प्याज, 78 फीसदी मसालों, 65 फीसदी चावल, 19 फीसदी रासायनिक उत्पादों और करीब 20 फीसदी बिजली की आपूर्तियां करता है। ढाका का कपड़ा उद्योग भारत की कृपा पर ही चलता है। बांग्लादेश में मेडिकल वीसा की मांग सबसे अधिक भारत के लिए है। वहां के लोगों के अनुभव हैं कि भारत में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं हैं। यदि भारत मौजूदा हालात के मद्देनजर इन आपूर्तियों को रोक दे, तो क्या बांग्लादेश जिंदा रह सकता है? क्या बांग्लादेश में खाद्य संकट पैदा नहीं होगा और वह अंधेरे में डूब नहीं जाएगा? बांग्लादेश के साथ भारत नदियों का पानी और अन्य संसाधन भी साझा करता रहा है। दिसंबर, 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के 93,000 फौजियों का आत्मसमर्पण एक अर्द्धसत्य है। बांग्लादेश की मुक्ति और आजादी की उस लड़ाई में भारत को भी अपने 3864 जांबाज सैनिकों और अफसरों की शहादतें देनी पड़ी थीं। उस दौर में करीब 10 लाख बहन–बेटियों–माताओं के साथ बलात्कार किए गए थे। हत्याओं का कोई निश्चित आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार (परोक्ष रूप में प्रधानमंत्री) मुहम्मद यूनुस का एक कुरूप यथार्थ सामने आया है कि उन्होंने 2016 में 3 लाख डॉलर (करीब 2.5 करोड़ रुपए) 'हिलेरी क्लिंटन फाउंडेशन' को दान दिए थे। यूनुस को अमरीका की कृपा से ही नोबेल शांति पुरस्कार से नवाजा गया था। उनके 'गरीब, ग्रामीण बैंक' की दुनिया में खूब चर्चा हुई थी, लेकिन बाद में सच बेनकाब हुए कि गरीब, मछुआरों, किसानों का पैसा लूट कर किसको चढ़ावा दिया जा रहा था? यूनुस को जेल भी जाना पड़ा। तत्कालीन राष्ट्रपति ट्रंप की नाराजगी भी यूनुस को झेलनी पड़ी थी। ट्रंप आज भी अमरीकी राष्ट्रपति हैं, लिहाजा हिलेरी–यूनुस की कथित भ्रष्ट मिलीभगत, सांठगांठ और लेन–देन की जांच कराई जा रही है। यूनुस अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में बांग्लादेश में गद्दीनशीं किए गए।

बाइडेन भी क्लिंटन की डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति थे। बहरहाल आज क्लिंटन परिवार अमरीकी राजनीति और प्रशासन में अप्रासंगिक है, लिहाजा अमरीका के स्तर पर आज कोई भी यूनुस का पैरोकार नहीं है। यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार 8 अगस्त, 2024 से जारी है, जबकि बांग्लादेश के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

बाइडेन भी क्लिंटन की डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति थे। बहरहाल आज क्लिंटन परिवार अमरीकी राजनीति और प्रशासन में अप्रासंगिक है, लिहाजा अमरीका के स्तर पर आज कोई भी यूनुस का पैरोकार नहीं है। यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार 8 अगस्त, 2024 से जारी है, जबकि बांग्लादेश के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। न जाने क्यों बांग्लादेश में किसी भी बौद्धिक और राष्ट्रवादी नागरिक ने इस व्यवस्था को अदालत में चुनौती नहीं दी है? संविधान में सिर्फ यह व्यवस्था है कि कार्यवाहक सरकार को तीन महीने की अवधि में चुनाव निश्चित रूप से कराने हैं, ताकि एक जनादेशी और लोकतांत्रिक सरकार देश का नेतृत्व संभाल सके। आज बांग्लादेश में अराजकता, हिंसा, सांप्रदायिकता, हत्याओं का दौर है, तो यूनुस ही उसके लिए 'खलनायक' हैं, क्योंकि वह कट्टरपंथी जमात को उकसा रहे हैं। सजायाफ्ता आतंकियों को जेल से रिहा कराया है। सडक़ों पर भारत–विरोधी, हिंदू–विरोधी जो भीड़ नजर आ रही है, यूनुस उसे नियंत्रित ही नहीं करना चाहते। वह चुनाव को आगे खिसकाने के मंसूबों पर काम कर रहे हैं। यूनुस ने अपने कार्यकाल में, खासकर 1.30 करोड़ अल्पसंख्यक हिंदुओं के लिए, ऐसे अराजक और हत्यारे हालात बना दिए हैं कि हिंदू खौफ और दहशत में जीने को अभिशप्त हैं। जिस निर्ममता, बर्बरता के साथ हिंदुओं की हत्याएं की गई हैं, भारत के विरोध में हमलावर दुष्प्रचार जारी है, उसके मद्देनजर भारत सरकार को बांग्लादेश की आपूर्तियों में तुरंत कटौती करनी चाहिए और अंतरिम सरकार को निर्णायक चेतावनी जारी करनी चाहिए। देश की मोदी सरकार को अविलंब हस्तक्षेप करना चाहिए, क्योंकि बांग्लादेश में इंसाफ और इनसान दोनों ही जल रहे हैं। यूनुस एक साल में दो बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात कर चुके हैं। वह पाकिस्तान के 'फौजी तानाशाह' मुनीर के मोहरा बने हैं। जिन्होंने छात्र आंदोलन के जरिए प्रधानमंत्री शेख हसीना का तख्तापलट किया था, उनके अग्रणी नौजवान नेताओं की अचानक हत्याएं की जा रही हैं। ये हालात भारत ही नहीं, समूचे लोकतांत्रिक विश्व के हित में नहीं हैं। बार–बार खबरें आ रही हैं कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हिंसा तथा ज्यादतियां हो रही हैं। इस हिंसा को तत्काल रोकना होगा। तभी बांग्लादेश की समस्या का हल होगा।

गोरखपुर में विकास यादव की हत्या

मोबाइल पर लड़की की काल आई... तुरंत घर से निकल गया था विशाल, 20 मिस कश्कल और चैटिंग भी मिली

गोरखपुर,संवाददाता। सहजनवां में कारपेंटर की गला दबाकर हत्या का मामला सामने आया है। घटनास्थल पर संघर्ष और पैरों के निशान मिले हैं। पुलिस ने युवती और उसके दो परिजनों को हिरासत में लिया है। कारपेंटर डेढ़ महीने पहले ही पिता की मौत के बाद मुंबई से घर आया था। गोरखपुर के सहजनवां थाना क्षेत्र के जोगिया कोल–कटाई टीकर मार्ग पर कुआवल कला गांव निवासी विशाल यादव (35) की गला दबाकर हत्या कर दी गई। बुधवार सुबह उसका शव गेहूं के खेत में पड़ा मिला। मौके पर कीचड़ में संघर्ष और कई लोगों के पैरों के निशान भी देखे गए। पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। उधर, शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाते समय नाराज लोगों ने भीटी रावत चौराहे पर गोरखपुर–लखनऊ हाईवे जाम कर दिया।

लोग हत्यारोपियों की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग कर रहे थे। पुलिस ने लोगों को समझा–बुझाकर हटवाया, लेकिन शाम को लोग फिर से धरने पर बैठ गए थे। देर रात पुलिस ने मृतक की मां शकुंतला की तहरीर पर गांव के पिता–पुत्र व बेटी के खिलाफ हत्या की धारा में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। तीनों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। हत्या की वजह प्रेम प्रसंग बताई जा रही है।

कुआवल कला गांव निवासी श्रीप्रकाश यादव का बेटा विशाल यादव पेशे से कारपेंटर था। डेढ़ महीने पहले पिता की मौत के बाद वह मुंबई से घर आया था। मंगलवार रात उसके मोबाइल पर एक लड़की की कॉल आई। वह घर से सिर्फ पांच मिनट में आने की बात कहते हुए बाहर निकला लेकिन लौटा नहीं। ग्रामीणों ने बताया कि सुबह टहलने के दौरान उनकी नजर गेहूं के खेत में पड़े शव पर पड़ी। इसके बाद सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची

पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। फॉरेंसिक टीम को खेत में संघर्ष के निशान और सड़क पर लाल रंग का रूमाल व एक हवाई चप्पल भी बरामद हुआ। पुलिस ने मृतक की जेब से मोबाइल और बाइक की चाबी भी कब्जे में ली। पुलिस मामले में एक युवती और उसके दो परिजनों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

विशाल के मोबाइल पर मिले 20 मिस कॉल

गोरखपुर के सहजनवां थाना क्षेत्र के जोगिया कोल कटाई टीकर मार्ग पर विशाल यादव का शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मां शकुंतला ने बताया कि रात करीब 9:30 बजे वह भोजन बना रही थीं। इसी दौरान विशाल के मोबाइल पर एक लड़की की कॉल आई। वह तुरंत ही घर से निकला और कहा कि थोड़ी देर में वह लौट आएगा। लेकिन रातभर वापस नहीं आया। सुबह शव मिलने की सूचना मिली। मामले में गांव के पिता–पुत्र व बेटी पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। विशाल का परिवार पहले ही दुखों से घिरा हुआ था। उसके पिता की मौत 19 सितंबर को हुई थी और दाह संस्कार के लिए विशाल मुंबई से गांव लौटा था। अभी उसकी शादी नहीं हुई थी। पिता की मौत का शोक उनके चेहरे पर साफ झलक रहा था। मां को पैर में बीमारी है। मां शकुंतला के अनुसार, मंगलवार रात कॉल आने के बाद विशाल अपने घर से कुछ दूरी पर स्थित खेत की ओर निकला। बुधवार सुबह उसके घर से पांच सौ मीटर दूर जोगियाखोर सिवान के गेहूं के खेत में शव मिला। शव के पास संघर्ष के निशान और मिट्टी के कीचड़ में सने कपड़े यह साफ बता रहे थे कि विशाल ने जान बचाने के लिए काफी कोशिश की। खेत में पड़ा लाल रंग का गमछा और एक हवाई चप्पल उनकी अंतिम लड़ाई के गवाह बन गए। शव कीचड़ में सने होने के चलते मुंह धुलने पर पहचान उसकी हुई। वहीं ग्रामीणों ने प्रेम प्रसंग में विशाल की हत्या होने की आशंका जाहिर की है।

गोरखपुर में मृतकों के नाम कायम

सैकड़ों नए मतदाता गायब सूची पर उठे सवाल

संवाददाता, गोरखपुर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारी के बीच चल रहे मतदाता सूची के पुनरीक्षण अभियान के क्रम में मंगलवार को प्रकाशित हुई अनंतिम मतदाता सूची के अगले ही दिन कई ब्लाकों से गंभीर शिकायतें सामने आ रही हैं। कहीं वर्षों पहले मर चुके लोगों के नाम सूची में कायम हैं तो कहीं सैकड़ों नए मतदाताओं के नाम जोड़े ही नहीं गए। पाली ब्लाक की ग्राम पंचायत भुआ शहीद और मइला में मतदाता सूची में बड़ी खामियां सामने आई हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि करीब 90 मृत लोगों के नाम अब भी मतदाता सूची में दर्ज हैं। सूची के पेज संख्या तीन पर कुमारी देवी, कमला, राजेश, प्रभावती, कलंदर सहित कई ऐसे नाम दर्ज हैं जिनकी मृत्यु हो चुकी है।

इसके अलावा क्रम संख्या 97, 98, 99, 100, 116, 126, 139 और 178 पर भी मृतकों के नाम मौजूद बताए जा रहे हैं। वहीं, 15 से अधिक लोगों ने ने फार्म–6 भरकर नाम जोड़ने के लिए आवेदन किया था, लेकिन किसी का भी नाम सूची में शामिल नहीं किया गया। पिपरौली ब्लाक के बनौड़ा निवासी कुंदन सिंह ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि बीएलओ द्वारा लगभग 150 मतदाताओं के नाम जानबूझकर सूची से बाहर कर दिए गए हैं। इसी तरह सहजनवा ब्लाक की ग्राम पंचायत कटाई टीकर में करीब 250 नए मतदाताओं के नाम नहीं जोड़े जाने की शिकायत सामने आई है। ग्रामीणों का कहना है कि फार्म भरवाने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई।

बांसगांव ब्लाक की ग्राम पंचायत बढ़इपुरवा से भी गंभीर आरोप लगे हैं। ग्रामीण अशोक गुप्ता ने एसडीएम राजेश प्रताप सिंह को दिए प्रार्थना पत्र में कहा है कि मतदाता सूची में नाबालिग बच्चों के नाम फर्जी तरीके से दर्ज किए गए हैं, जबकि बड़ी संख्या में वास्तविक मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। आरोप है कि दूसरे गांवों के लोगों के नाम गांव की सूची में जोड़ दिए गए हैं और बीएलओ सुधार करने से इनकार कर रहे हैं। करीब 200 मतदाताओं के नाम जोड़ने की मांग की गई है।

क्षेत्र पंचायत कौड़ीराम की कई ग्राम पंचायतों से भी आपत्तियां आई हैं। ग्राम पंचायत धस्की के प्रधान राजेश सोनकर, उनकी पत्नी राधिका सहित परिवार के कई सदस्यों के नाम अनंतिम सूची से गायब बताए जा रहे हैं, जबकि वर्ष 2023 में मृत हो चुकी माता कबूतरा देवी का नाम अब भी दर्ज है। टीकर ग्राम पंचायत के प्रधान विजय पासवान और उनके परिवार के 11 सदस्यों, सोहगौरा के संभावित प्रत्याशी सुनील गुप्ता व उनकी पत्नी सहित कई अन्य मतदाताओं के नाम सूची से कटे होने की शिकायत है। बांसगांव ब्लाक के बेदौली बाबू में लगभग 350 और किशुनपुर उर्फ बगही में कई मतदाताओं के नाम कटने की बात सामने आई है। वहीं गजपुर क्षेत्र में कुछ बूथों पर मतदाता सूची चस्पा न होने या आधी–अधूरी सूची चिपकाए जाने की शिकायत भी मिली है।

पिपरौली ब्लाक के बेतऊवां गांव में बूथ संख्या 159 की मतदाता सूची से करीब 50 नाम गायब होने पर ग्रामीणों ने पंचायत भवन पर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बीएलओ पर साजिशन नाम हटाने का आरोप लगाया।

500 महिलाओं के दो जगह नाम, शादी के बाद सिर्फ ससुराल में ही राशन ले सकेंगी महिलाएं

गोरखपुर,संवाददाता। बहुत सारी महिलाएं दो जगहों से ले रही थीं। नियमानुसार उन्हें फॉर्म भरकर मायके वाले राशन कार्ड से नाम हटवाना चाहिए था। अब आपूर्ति विभाग ने सर्वे शुरू कराया है। इसके तहत जिला पूर्ति विभाग की ओर से एक फॉर्म दिया जा रहा है। इसमें एक ही फॉर्म में मायके के पते व राशन कार्ड के विवरण के साथ ससुराल का पता व राशन कार्ड का विवरण भरना है। अब शादी के बाद महिलाएं सिर्फ ससुराल में ही कोटे का राशन ले पाएंगी। मायके में राशन कार्ड से उनका नाम हटाया जाएगा। आपूर्ति विभाग ने सर्वे कराकर अब तक 1535 महिलाओं का नाम मायके के राशन कार्ड से हटवाकर ससुराल में जुड़वाया है। सर्वे अभी चल रहा है, करीब 500 और महिलाएं चिह्नित हुई हैं, जिनके नाम पर दोनों जगहों से राशन लिया जा रहा था।

जल्द ही सत्यापन कराकर इनका भी नाम मायके वाले राशन कार्ड से हटाया जाएगा। सरकारी राशन की दुकान से प्रत्येक अंत्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 35 किलोग्राम राशन मिलता है। इसमें 14 किलो गेहूं और 21 किलो चावल शामिल है। इसी प्रकार पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट पांच किलो राशन दिया जाता है।

उनको चावल व गेंहू मिलता है। इसका लाभ बहुत सारी महिलाएं दो जगहों से ले रही थीं। नियमानुसार उन्हें फॉर्म भरकर मायके वाले राशन कार्ड से नाम हटवाना चाहिए था। अब आपूर्ति विभाग ने सर्वे शुरू कराया है। इसके तहत जिला पूर्ति विभाग की ओर से एक फॉर्म दिया जा रहा है। इसमें एक ही फॉर्म में मायके के पते व राशन कार्ड के विवरण के साथ ससुराल का पता व राशन कार्ड का विवरण भरना है। मायके से ससुराल जा चुकी महिलाओं का एक ही जगह राशन कार्ड में नाम रहेगा। संपर्क कर नाम कटवाने और ससुराल में जोड़वाने के लिए आवेदन करवाया जा रहा है। अब तक 1535 महिलाओं के नाम मायके से हटाए गए हैं। रामेंद्र प्रताप सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी

गणतंत्र दिवस परेड

कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस की परेड करते दिखेंगे डीडीयू के आनंद, ऐसे हुआ चयन

गोरखपुर,संवाददाता। डीडीयू के एनएसएस के समन्वयक डॉ. सत्यपाल सिंह ने बताया कि आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर में पांच से 14 नवंबर तक पूर्व गणतंत्र दिवस (प्रीआरडी) शिविर आयोजित थी। उस शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर आनंद का चयन गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक आनंद यादव का चयन गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। इसके तहत आनंद 26 जनवरी को कर्तव्य पथ, नई दिल्ली पर होने वाली परेड में सम्मिलित होंगे।

डीडीयू के एनएसएस के समन्वयक डॉ. सत्यपाल सिंह ने बताया कि आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर में पांच से 14 नवंबर तक पूर्व गणतंत्र दिवस (प्रीआरडी) शिविर आयोजित थी। उस शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर आनंद का चयन गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने के फलस्वरूप आनंद एक से 31 जनवरी तक दिल्ली में आयोजित शिविर में हिस्सा लेंगे। शिविर में उन्हें अंतिम रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा। आनंद यादव पुत्र योगेंद्र यादव बीए एलएलबी तृतीय वर्ष के छात्र हैं। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यह चयन विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की प्रतिभा, अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण का सशक्त प्रतीक है।

इलाज के बहाने पिलाई बेहोशी की दवा अश्लील वीडियो बना करने लगा शारीरिक शोषण

गोरखपुर,संवाददाता। पीड़िता ने बताया कि शारीरिक संबंध बनाने के बाद आरोपी को वीडियो बनाने का शक हुआ। आरोपी उनका मोबाइल चेक करने लगा लेकिन लॉक होने की वजह से वह खोल नहीं पा रहा था। संचालक ने कहा कि उसे पूरा यकीन है कि वीडियो बनाया गया है। खोराबार थाना क्षेत्र में मेडिकल स्टोर संचालक पर एक महिला को दवा देने के बहाने दुष्कर्म और तीन माह तक ब्लैकमेल कर जबरन शारीरिक संबंध बनाने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़ित महिला ने खोराबार थाने में आरोपी किशुन गुप्ता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में बुधवार देर शाम आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। महिला ने बताया कि उसके तीन छोटे बच्चे हैं और पति दुबई में काम करते हैं। 19 सितंबर की दोपहर तबीयत अचानक खराब हुई तो वह इलाज के लिए मजनू चौराहे पर स्थित एक मेडिकल स्टोर पर गई। महिला के अनुसार, स्टोर संचालक किशुन गुप्ता ने उसे घबराहट की दवा बताकर बेहोशी की दवा पिलाई। इसके बाद उसे स्टोर के अंदर बंद कर दुष्कर्म किया।

वाटर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स: फूडकोर्ट चालू करने के नाम 1.48 करोड़ की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

गोरखपुर,संवाददाता। मेसर्स वीवीएम 21 हॉस्पिटैलिटी ओपीसी प्राइवेट लिमिटेड के मालिक विभांशु मिश्रा के साथ 13 अक्तूबर 2024 को लेटर ऑफ इंडेंट और फूडकोर्ट लीज एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए। एग्रीमेंट के अनुसार विभांशु को विभिन्न ब्रांड्स लाकर फूडकोर्ट चालू करना था।शहर के वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में फूडकोर्ट खोलने के नाम पर 1.48 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को रामगढ़ताल पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान झारखंड के परशूडीह, टाटानगर निवासी विभांशु वैभव मिश्रा के रूप में हुई है, जो वर्तमान में नोएडा के सेक्टर–16 में रह रहा था।

आरोप है कि उसने कूटरचित खाद्य ब्रांडों के एग्रीमेंट दिखाकर मेसर्स अदीप लीजर प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर से राशि हड़प ली। मेसर्स अदीप लीजर के प्रबंधक शुभम बथवाल ने बताया कि उन्होंने वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का लीज मेसर्स ई बायोस्कोप इंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड से लिया था। परिसर में नौका विहार, रेल विहार और अन्य सुविधाओं का विकास करना था।

इसी क्रम में मेसर्स वीवीएम 21 हॉस्पिटैलिटी ओपीसी प्राइवेट लिमिटेड के मालिक विभांशु मिश्रा के साथ 13 अक्तूबर 2024 को लेटर ऑफ इंडेंट और फूडकोर्ट लीज एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए। एग्रीमेंट के अनुसार विभांशु को विभिन्न ब्रांड्स लाकर फूडकोर्ट चालू करना था। इसके एवज में आरटीजीएस के माध्यम से उसे 1.48 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

आरोपी ने कुछ ब्रांड्स के नाम और लेटर ऑफ इंडेंट दिखाए, जिनमें नजीर फूड्स, बास्किन–रॉबिंस, हाउस ऑफ कैंडी, रोल्स सिंह, द बेल्जियन वाफल कंपनी, फ्लेवर्स ऑफ लखनऊ, चाय का, द वाफल कंपनी और एनएस फूड्स शामिल थे। जब संबंधित ब्रांड्स से संपर्क किया गया, तो पता चला कि कोई भी ब्रांड आरोपी के साथ समझौता नहीं कर रहा था।

चाय का के मालिक शाहिल जुनेजा ने भी पुष्टि की कि उनके साइन का जाली दस्तावेजों में इस्तेमाल किया गया। काम में लगातार विलंब और आश्वासन न मिलने पर ग्रुप डायरेक्टर अमित बथवाल ने 13 अगस्त 2025 को आरोपी से मुलाकात की।

इस दौरान आरोपी ने 44.04 लाख रुपये का चेक दिया लेकिन चेक खाते में नहीं लगा। उसने शुभम से व्यक्तिगत रूप से 10 लाख रुपये और लिए और मोबाइल फोन बंद कर दिया।

इसके बाद एसपी सिटी अभिनव त्यागी के आदेश पर रामगढ़ताल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। सीओ योगेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

जंक फूड से गई जान

'मैं ठीक होकर फास्ट फूड नहीं खाऊंगी... बच्चों को भी करूंगी जागरूक', अहाना के आखिरी अल्फाज

अमरोहा,संवाददाता। अधिक फास्ट फूड खाने से अहाना बीमार हुई थी। मामा से उसने अपने आखिरी अल्फाज साझा किए थे। वह ठीक होकर बच्चों को सजग करना चाहती थी। वह डॉक्टर बनना चाहती थी। अधिक फास्ट फूड खाने की वजह से आंतें खराब होने के बाद जान गंवाने वाली अहाना ने आखिरी बार अपने मामा गुलजार खान उर्फ गुड्डू से कहा था कि वह कभी फास्ट फूड नहीं खाएगी और स्वस्थ होने के बाद स्कूल के बच्चों को जागरूक भी करेगी। फास्ट फूड से शरीर को होने वाले नुकसान के बारे में बताएगी। हाई स्कूल में 69 फीसदी अंक पाकर परीक्षा पास करने वाली अहाना डॉक्टर बनना चाहती थी। लेकिन, उसे क्या पता था कि डॉक्टर जिस फास्ट फूड को खाने से परहेज करने की सलाह देते हैं, वहीं फास्ट फूड उसकी मौत की वजह बनेगी।

मामा गुलजार ने बयां किए अहाना के आखिरी अल्फाज

मामा गुलजार खान उर्फ गुड्डू ने बताया कि अहाना जो संदेश अपनी ठीक होने के बाद देना चाहती थी, वह संदेश उसकी मौत के बाद भी देश भर में वायरल हो रहा है। आज उनकी बेटी की दुनियाभर में चर्चा है। जब उसे फास्ट फूड खाने की वजह से आंतें खराब होने की बात पता चली तो वह चाहती थी कि स्कूल कॉलेज में बच्चों को जागरूक किया जाए, जिससे वह फास्ट फूड से परहेज करें। मालूम रहे कि अहाना मोहल्ला अफगानान के रहने वाले मंसूर खान की बेटी थी। फास्ट फूड खाने का शौक उसकी जान पर भारी पड़ गया। चाऊमीन, मैगी, पिज्जा– बर्गर खाने से उसकी आंतें खराब हो गईं और उनमें छेद हो गए। मुरादाबाद के निजी अस्पताल में तीन दिसंबर की रात छात्रा का सफल ऑपरेशन कराया गया था। ऑपरेशन के दस दिन बाद अहाना को अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी। लेकिन दोबारा से तबीयत बिगड़ने पर अहाना को दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया जहां बीते रविवार की रात छात्रा की मौत हो गई थी।

अहाना के पिता ने सीएमओ को लिखा पत्र, बच्चों को फास्ट फूड न खाने के लिए करें जागरूक

फास्ट फूड खाने की वजह से 11वीं की छात्रा अहाना की मौत के बाद उनके पिता मंसूर खान और माता सारा खान का रो–रो कर बुरा हाल है। अहाना के पिता मंजूर अहमद ने सीएमओ को पत्र लिखकर भावुक अपील की है कि वह स्कूल कॉलेज में बच्चों को फास्ट फूड न खाने के लिए जागरूक करने के लिए कदम उठाएं। साथ ही इससे होने वाले नुकसान के बारे में भी बताएं।

शांत स्वभाव की अहाना थी

पिता ने बताया कि शांत स्वभाव की अहाना और उसकी बहन इशा मारिया के बीच बेहद प्रेम था। परिजनों के मुताबिक जितने दिन अहाना अस्पताल में भर्ती रही उतने दिन इशा मारिया उसके साथ रही। इशा ने एक भी दिन अहाना का साथ नहीं छोड़ा। इशा कहती थी कि अपनी बहन अहाना को ठीक होने के बाद साथ लेकर घर जाएगी।

लेकिन, ऐसा नहीं हो सका। एक तरफ जहां फास्ट फूड खाने से अहाना की मौत शहर ही नहीं बल्कि देश भर में चर्चा का विषय बन गई है तो वहीं अहाना के पिता मंजूर अहमद ने सीएमओ को पत्र लिखकर उनसे एक भावुक अपील की है। उन्होंने सीएमओ से अपील की है कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से एक अभियान चलाया जाए। स्वास्थ्य विभाग की टीम कम से कम इंटर कॉलेज तक के स्कूल–कॉलेज में जाकर बच्चों को जागरूक करें। फास्ट फूड से शरीर को होने वाले नुकसान के बारे में बताएं। जिससे बच्चे फास्ट फूड खाने से बच सकें और उनकी जान न जाए।

फास्ट फूड के दुष्प्रभाव से बचने को स्कूलों में भी चलेगा जागरूकता अभियान

फास्ट फूड का चस्का भले ही बच्चों के साथ–साथ बड़ों को भी भा रहा हो, लेकिन इसका अधिक और लगातार सेवन कितना खतरनाक है, इसका पता अहाना की मौत के बाद चला है। इसको लेकर अब स्कूलों में भी जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जहां बच्चों को फास्ट फूड की बजाय पौष्टिक चीजों को खाने के लिए प्रेरित भी किया जाएगा।

सीडीओ बोले– बच्चों को पौष्टिक चीजें खाने के लिए किया जाएगा प्रेरित

अधिक फास्ट फूड खाने से छात्रा अहाना की मौत के बाद अब स्कूलों में बच्चों को इसके खाने से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताते हुए जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्रा ने बताया कि बच्चों को शुद्ध व पौष्टिक चीजें खाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए स्कूलों में स्वयं सहायता समूह की ओर कैंटीन खोलने पर विचार किया जा रहा है। इससे महिलाओं को रोजगार तो मिलेगा ही, साथ ही बच्चों को शुद्ध व पौष्टिक चीजें भी परोसी जा सकेंगी। बृहस्पतिवार को कलक्ट्रेट में आयोजित हुई बैठक में भी इस पर विचार किया गया। डीएम निधि गुप्ता वत्स ने सभी स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने को कहा। उन्होंने स्कूलों के आस–पास बिकने वाले फास्ट फूड के ठेलों की गुणवत्ता को जांचने के निर्देश भी दिए हैं।

डीआईओएस बोले– अभिभावकों को भी आगे आना होगा

डीआईओएस डॉ. प्रवेश कुमार ने बताया कि स्कूलों में बच्चों को फास्ट फूड खाने से होने वाले नुकसान के साथ–साथ पौष्टिक चीजें खाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए सभी स्कूलों को निर्देश जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए अभिभावकों को भी आगे आना होगा।

सोते समय पत्नी को दी ऐसी मौत...

फिर हाथ–पैर बांधे, गड्ढाकर दबाई लाश, बदबू आने पर दूसरी जगह की गहरी खोदा

गोरखपुर,संवाददाता। आरोपी ने पहले पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। सख्ती करने पर उसने राज खोल दिया। बेलघाट थाना क्षेत्र के एक गांव में महिला की हत्या रिश्तों को शर्मसार करने वाली है। पुलिस की जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, वे दिल दहला देने वाले हैं। आरोप है कि युवक ने पहले पत्नी की गला घोंटकर हत्या की फिर शव को घर के पीछे गड्ढा खोदकर दबा दिया।

पुलिस के अनुसार, युवक को शक था कि उसकी पत्नी किसी अनजान व्यक्ति से मोबाइल पर घंटों बात करती है और उसे तवज्जो नहीं देती। अवैध संबंधों के शक में युवक अक्सर विवाद करता था। 21 दिसंबर की रात भी मोबाइल पर बातचीत को लेकर कहासुनी हुई। इसके बाद मामला शांत हो गया और महिला सो गई। आरोप है कि इसी दौरान युवक ने रस्सी से महिला का गला कसकर हत्या कर दी।

आरोपी से पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने के लिए उसने शव को घर के पीछे गड्ढा खोदकर दबा दिया। पहले उसने कम गहरा गड्ढा खोदकर शव दबाया लेकिन कुछ समय बाद वहां से दुर्गंध आने लगी।

इसके बाद उसने पास में ही दूसरा बड़ा गड्ढा खोदा और उसमें शव को दोबारा दबा दिया।

बदबू रोकने के लिए करीब चार किलो नमक भी डाल दिया। इस तरह आरोपी ने मामले को छिपाने की कोशिश की और किसी को भनक नहीं लगने दी।

आरोपी की मां ने कॉल कर पिता को दी जानकारी

जानकारी के अनुसार, युवक के पिता उरुवा बाजार में मजदूरी करते हैं। हत्या की जानकारी उन्हें चार दिन बाद युवक की मां ने मोबाइल फोन से दी, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। युवक की शादी दो साल पहले गोला थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई थी। महिला के माता–पिता दोनों का निधन हो चुका था। मायके में उसका 10 वर्षीय भाई और आठ वर्षीय बहन

हैं, जिनकी जिम्मेदारी भी महिला ही निभाती थी। वह अपने छोटे भाई–बहन के लिए एकमात्र सहारा थी।

पुलिस को गुमराह करने के लिए गढ़ी झूठी कहानी

पुलिस को गुमराह करने के लिए युवक ने अलग कहानी गढ़ी। उसने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी ने घर में फंदा लगा लिया था। वह शव को नदी में बहा आया है। इस बयान के बाद एसओ विकासनाथ, एसआई आशीष कुमार त्रिपाठी, राधेश्याम सेहरा नदी के किनारे लगभग पांच किलोमीटर दूर तक दियारा क्षेत्र में खोजबीन करते रहे। जब शव नहीं मिला तो पुलिस को संदेह हुआ। कड़ी पूछताछ में यह सवाल उठा कि अकेले पैदल इतनी दूर शव कैसे ले गया। इसी दबाव में युवक टूट गया और उसने शव दबाने की बात बताई। आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। – शिल्पी कुमार, सीओ खजनी

पूरानी रंजिश में किशोर को मारी गोली, मौत

सुधीर–फाइल फोटो

गोरखपुर,संवाददाता । नगर पंचायत पिपराइच वार्ड नंबर एक मुड़ेरी गढ़वा निवासी राजेश के 17 वर्षीय किशोर सुधीर को शुक्रवार दोपहर दुसरे टोले के युवकों ने कोऑपरेटिव इंटर कालेज पिपराइच के खेल मैदान में गोली मार दी। गले के पास गोली लगने से किशोर का घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस को आक्रोशित ग्रामीणों ने शव देने से इनकार कर दिया। शव को अपने घर उठा ले गए हैं। मान मनौव्वल चल रहा है।

कुल्हाड़ी से 26 वार कर पति को मार डाला

घटनास्थल पर टूटा बेलन, खून से सना सिलबट्टा दे रहे थे बर्बरता की गवाही

कानपुर,संवाददाता। बिठूर थाना क्षेत्र के टिकरा गांव में बुधवार रात पति–पत्नी के बीच विवाद हुआ था। झगड़े के दौरान पत्नी वीरांगना ने कुल्हाड़ी से पति रविशंकर (45) पर 26 वार कर हत्या कर दी। दोनों में अक्सर झगड़ा होता था। यूपी के कानपुर से सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां बिठूर थानाक्षेत्र के टिकरा गांव में रात में हुए झगड़े में पत्नी वीरांगना ने पति रविशंकर सविता उर्फ पप्पू की कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार करके जान ले ली। पप्पू की हत्या के बाद घर में फैला जगह–जगह खून देख पुलिसकर्मी भी दंग रह गए। फॉरेंसिक टीम को छानबीन के दौरान खून से सना एक सिलबट्टा और टूटा हुआ बेलन मिला है। मौके से कुल्हाड़ी नहीं मिल सकी है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों के अनुसार, वारदात के वक्त चार साल का बेटा जैन घर में था।

यह है मामला

बिठूर थानाक्षेत्र के टिकरा गांव में बुधवार रात करीब 12 बजे शराब के नशे में पति–पत्नी में विवाद हो गया। पत्नी वीरांगना ने पति रविशंकर सविता उर्फ पप्पू (45) को कुल्हाड़ी से 26 वार कर मार डाला। पुलिस ने पत्नी को हिरासत में ले लिया है। छोटे भाइयों संतोष और जीतू ने बताया कि रविशंकर टाइल्स, पत्थर लगाने का काम करता था। साल 2019 में उसकी बांदा के तिंदवारी निवासी वीरांगना से शादी हुई थी। उनके चार साल का बेटा जैन (4) है। मां बिटोला व पिता हरीशंकर संग रहते हैं। वह करीब एक किलोमीटर दूर पांच साल से पत्नी और बच्चे के साथ अलग रहता था। पप्पू और वीरांगना दोनों शराब पीते थे। इस कारण आए दिन दोनों में विवाद होता था। आरोप है कि वीरांगना रात आठ बजे पनकी निवासी अपनी बहनों के घर से शराब पीकर आई और पप्पू भी काम से घर लौटा। देर रात दोनों में मारपीट होने लगी। पत्नी ने कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ सिर, चेहरे, हाथ, गर्दन में कई वार किए। छीनाझपटी में महिला के सिर पर भी चोट लग गई। खून से लथपथ रविशंकर फर्श पर गिर गया। इसके बाद वीरांगना ने फोन कर पति के एक्सीडेंट में घायल होने की झूठी सूचना दी। वह लोग मौके पर पहुंचे तो वीरांगना घर में फैला खून साफ कर रही थी।

उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर साक्ष्य जुटाए। पुलिस रविशंकर को हैलट ले जाने लगी तो वीरांगना ने विरोध किया। काफी जद्दोजहद के बाद रविशंकर को हैलट लेकर पहुंचे। वहां इलाज के दौरान सुबह चार बजे मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार, पोस्टमॉर्टम में शरीर पर 26 वार मिले हैं। अत्यधिक रक्तस्राव के बाद कोमा में जाने से मौत हुई है। बिठूर थानाप्रभारी प्रेमनारायण विश्वकर्मा ने बताया परिजनों के अनुसार शराब पीने के बाद दोनों में विवाद होता था। पत्नी ने ही पति की हत्या की है।

छोटे भाई की तहरीर पर वीरांगना के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। गुरुवार सुबह 10 बजे पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर से पत्नी को हिरासत में ले लिया गया है। एसीपी कल्याणपुर आशुतोष कुमार ने बताया कि छोटे भाई संतोष की तहरीर पर वीरांगना के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

घटनास्थल पर टूटा बेलन, खून से सना सिलबट्टा मिला

बिठूर थानाक्षेत्र के टिकरा गांव में रविशंकर सविता उर्फ पप्पू की कुल्हाड़ी से हत्या के बाद घर में फैला जगह–जगह खून देख पुलिसकर्मी भी दंग रह गए। फॉरेंसिक टीम को छानबीन के दौरान खून से सना एक सिलबट्टा और टूटा हुआ बेलन मिली है। मौके से कुल्हाड़ी नहीं मिल सकी है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों के अनुसार, वारदात के वक्त चार साल का बेटा जैन घर में था।

पिता को लहूलुहान देखकर डर गया बच्चा

माता–पिता के विवाद के बाद वह काफी डर गया था। पिता को लहूलुहान देखकर वह कमरे में छिपकर बैठ गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे किसी तरह बहलाया। बिठूर पुलिस और गांव के लोगों ने बताया कि रविशंकर सविता उर्फ पप्पू शराब पीने का आदी था। महीने में 15 दिन उन दोनों का किसी न किसी बात को लेकर विवाद होता था। यही कारण है कि बिठूर थाने और चौकी में वह दोनों एक दूसरे पर आरोप लगाते थे। पुलिस ने बताया कि जानकारी में आया है कि युवक से ज्यादा उसकी पत्नी शराब पीती है। पुलिस के अनुसार, महिला की इस हरकत से उसका पिता भी परेशान था।

आंगन में मिले खून के साक्ष्य और जीने पर कपड़े

आंगन में दंपती में मारपीट हुई थी। फॉरेंसिक टीम को वहां खून के साक्ष्य मिले हैं। जीने पर रखे रविशंकर के कपड़े भी रक्त से सने थे। पास में लकड़ी का बैठका भी रखा था। गांव वालों में चर्चा थी कि पत्नी वीरांगना ने लोहे की कुल्हाड़ी से हमला कर कहीं छिपा दी है।

लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण

पीएम मोदी ने किया प्रतिमाओं का लोकार्पण, बसों से पहुंचे डेढ़ लाख लोग, लगा बसों का मेला

लखनऊ,संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र प्रेरणा स्थल पहुंच चुके हैं। जहां पर उन्होंने स्थल का भ्रमण और अवलोकन किया। अब से कुछ ही देर में वह स्थल का लोकार्पण करेंगे और जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

सीएम योगी बोले– अटल जी को भारत रत्न देकर पीएम मोदी ने देश का गौरव बढ़ाया

सीएम योगी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी को भारत रत्न देकर इस सरकार ने उन्हें सम्मानित किया है। यह शहर अपने देश की विभूतियों को उनका गौरव और सम्मान देता है।

सीएम योगी बोले– अटल जी ने कहा था कि अंधेरा छंटेगा, हम वही होते देख रहे हैं

राम चंद्र भगवान और भारत माता के जयकारों के सीएम योगी ने अपना अपना भाषण शुरू किया। उन्होंने पीएम का अभिनंदन किया। सीएम ने यहां श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी के देश के प्रति योगादानों को याद किया। सीएम ने कहा कि हम सबकी प्रेरणा के रूप में ये राष्ट्र नायक हमारा सदैव मार्गदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि उन्होंने कभी कहा था कि अंधेरा छटेगा कमल खिलेगा की बात कही थी। अब वही होते हुए देख रहे हैं।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंच पर पहुंचते ही बड़ी संख्या में मौजूद लोगों का अभिवादन किया। इसके बाद वंदे मातरम गीत गाया गया। पीएम मोदी के साथ ही मंच पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई नेता मौजूद रहे।

भाजपा व जनसंघ के गलियारे का अवलोकन किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने भाजपा व जनसंघ के गलियारे का अवलोकन किया। इस गलियारे में जनसंघ और भाजपा की पूरी यात्रा को तस्वीरों के माध्यम से दिखाया गया है। इसके बाद पीएम मोदी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी गैलरी का भ्रमण किया। इस गैलरी में डॉ. मुखर्जी के जीवन से जुड़े हुए विभिन्न चित्र और प्रतीक चिह्न रखे गए हैं।

पीएम मोदी ने बंगाल विभाजन के दर्द को उकेरने वाली गैलरी को देखा

पीएम मोदी ने बंगाल विभाजन के दर्द को उकेरने वाले घटनाक्रम को गैलरी में जाकर देखा। इस गैलरी में बंगाल विभाजन के दौरान हुई घटनाओं को चित्रों के माध्यम से दिखाया गया है। इसके बाद पीएम मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की गैलरी का अवलोकन किया। इन गैलरियों में इनके जीवन से जुड़ी प्रमुख घटनाओं को तस्वीरों के जरिये दर्शाया गया है।

65 एकड़ में फैला हुआ है राष्ट्र प्रेरणा सील प्रतिमाओं के निर्माण पर खर्च हुए 21 करोड़

प्रेरणा स्थल में श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की 65 फीट ऊंची भव्य कांस्य प्रतिमाएं लगी हैं।
राष्ट्र प्रेरणा स्थल 65 एकड़ में फैला है और इसके निर्माण पर 232 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। इसका निर्माण दिसंबर 2022 में शुरू हुआ था।
पंडित दीन दयाल उपाध्याय की प्रतिमा का निर्माण प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार ने किया है जिन्होंने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण किया था।
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का निर्माण मूर्तिकार माटू राम ने पूरा किया है।
तीनों विभूतियों की प्रतिमाओं के निर्माण पर 21 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

आयोजन में डेढ़ लाख से अधिक लोगों के शामिल होने का अनुमान

इस आयोजन में दो लाख से अधिक लोगों के शामिल होने का अनुमान है। समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

कुल 13 पार्किंग बनाई गई हैं। इनमें 2600 बसें और 2000 कारें खड़ी हो सकेंगी। व्यवस्था बनी रहे इसके लिए अफसरों और कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। इन तस्वीरों में बहुत बड़ी संख्या में बसें दिख रही हैं। साथ ही लोगों का यह हुजूम बता रहा है कि सभी में किस स्तर की भीड़ होने वाली है।

यूपी: कोहरे और गलन से प्रभावित प्रदेश के 48 जिले

लखनऊ,संवाददाता। यूपी में भीषण सर्दी पड़ रही है। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में कोहरे और गलन की चेतावनी जारी की है। आने वाले दिनों के लिए पूर्वानुमान भी जारी हुआ है।

पहाड़ों पर गिरी बर्फ और वहां से आ रही गलन भरी उत्तरी–पछुआ हवाओं का असर प्रदेश में देखने को मिला है। मौसम विभाग का कहना है कि ठंडी पछुआ हवाओं के असर से अगले दो–तीन दिनों में यूपी में दिन और रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आएगी। गुरुवार को ठंड अपने चरम रूप में दिखी। लखनऊ सहित आसपास के कई जिलों में घने कोहरे की लेयर दिखी।
पश्चिमी यूपी में गलन में इजाफा हुआ और कोहरे के घनत्व में भी कमी आई। वहीं पूर्वी यूपी और तराई में अभी घने कोहरे का प्रकोप बरकरार है। ऐसे कई इलाकों में दोपहर बाद धूप खिली। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार के लिए पूर्वी यूपी के 27 जिलों में घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं पूर्वी यूपी और तराई के 21 जिलों के लिए शीत दिवस यानी दिन के तापमान में भारी गिरावट की संभावना जताई है।

इन जिलों में सुबह दृश्यता रही शून्य

घने कोहरे की वजह से प्रयागराज, कानपुर, बरेली और सहारनपुर में दृश्यता शून्य हो गई।वहीं बहराइच में 20 मी., इटावा में 40 मी., अमेठी, अयोध्या, सोनभद्र और वाराणसी में 50 मीटर दृश्यता दर्ज हुई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि उत्तराखंड और हिमांचल के पहाड़ों पर हुई बर्फबारी के असर से गलन भरी उत्तरी–पछुआ हवाएं यूपी तक पहुंच रही हैं।
इसके असर से अगले दो–तीन दिनों में दिन व रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आएगी। इसके साथ ही प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में कोहरे के घनत्व में भी कमी आएगी।

घने कोहरे का अलर्ट

कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, मिर्जापुर, भदोही, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, सहारनपुर, बिजनौर, मुरादाबाद रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर व आसपास के इलाकों में अत्यधिक घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट है।

क्रिसमस पर दिल्ली की कैथेड्रल चर्च पहुंचे पीएम मोदी: मॉर्निंग प्रेयर में शामिल हुए, प्रधान निरीक्षक ने विशेष प्रार्थना की; राहुल गांधी ने भी बधाई दी

पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की आज 101वीं जन्म जयंती: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सदैव अटल' स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की

बहराइच में बाघ का आतंक: रुपईडीहा से नवाबगंज पहुंचा, हमले में दो ग्रामीण हुए घायल

बहराइच,संवाददाता। बहराइच के नवाबगंज इलाके में बाघ ने दो ग्रामीणों पर हमलाकर घायल कर दिया। घटना से ग्रामीण दहशत में हैं। वन विभाग की टीमें इलाके में कॉबिंग कर रही हैं। बहराइच के रुपईडीहा क्षेत्र में दहशत फैलाने के बाद बृहस्पतिवार सुबह बाघ ने नवाबगंज इलाके में दस्तक दे दी है। सुबह करीब 6:30 बजे ग्राम पंचायत चनैनी में गांव के बाहर शौच के लिए गई महिलाओं ने बाघ को देखकर शोर मचाया। महिलाओं को बचाने दौड़े दो ग्रामीणों पर बाघ ने हमला कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। गांव में अफरा–तफरी का माहौल है। वन विभाग की टीम कॉबिंग में जुटी है।

ग्रामीणों के अनुसार सुबह महिलाएं गांव से बाहर शौच के लिए गई थीं, तभी झाड़ियों से निकलकर बाघ दहाड़ा। महिलाओं की चीख–पुकार सुनकर गांव के लोग मौके की ओर दौड़े। इस दौरान बाघ ने चनैनी गांव निवासी राम धीरज यादव (50) और नागे कश्यप (35) पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर बाघ जंगल की ओर चला गया।
घटना से गांव में दहशत फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। डीएफओ राम सिंह यादव ने बताया कि टीम को मौके पर भेज दिया गया है। क्षेत्र की घेराबंदी कर बाघ की तलाश की जा रही है। ग्रामीणों से सतर्क रहने और अकेले बाहर न निकलने की अपील की गई है। वन विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है

देशभर से क्रिसमस सेलिब्रेशन की खूबसूरत तस्वीरें!

इसरो ने की सफल लाचिंग

इसरो ने रचा इतिहास

6100 किलो वजनी

संचार उपग्रह को 16 मिनट में पृथ्वी की कक्षा में किया स्थापित

बंगलूरू,एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने इतिहास रच दिया है। दरअसल इसरो ने इस साल के अपने आखिरी मिशन में सबसे बड़ी कम्युनिकेशन सैटेलाइट ब्लूबर्ड ब्लॉक–2 को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। यह पूरी तरह से कॉमर्शियल लॉन्चिंग है। मिशन के तहत अमेरिकी कंपनी एएसटी स्पेसमोबाइल के ब्लू बर्ड ब्लॉक–2 संचार उपग्रह को पृथ्वी की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। इसरो ने इसकी लॉन्चिंग के लिए अपने एलवीएम3 रॉकेट का इस्तेमाल किया, जो कि इस लॉन्च व्हीकल की छठवीं उड़ान रही और वाणिज्यिक मिशन के लिए तीसरी। भारत के इस लॉन्च व्हीकल को पहले ही इसकी क्षमताओं के लिए 'बाहुबली' नाम दिया जा चुका है।

यह लॉन्चिंग आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सुबह 8:55 बजे हुई। इसरो के मुताबिक, करीब 15 मिनट की उड़ान के बाद कम्युनिकेशन सैटेलाइट रॉकेट से अलग होकर लगभग 520 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया। यह मिशन न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (छैप्स) और अमेरिका की AST स्पेसमोबाइल (AST and Science, LLC) के बीच हुए कॉमर्शियल समझौते का हिस्सा है।

> *इसरो ने इस साल के आखिरी मिशन के साथ ही इतिहास रच दिया है। दरअसल इसरो ने सबसे बड़े संचार उपग्रह ब्लूबर्ड ब्लाक–2 को सफलतापूर्वक पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित कर दिया है। यह अमेरिकी कंपनी की सैटेलाइट है, जिससे मोबाइल नेटवर्क बेहतर होगा। इस मिशन से इसरो की कमर्शियल सेक्टर में पकड़ मजबूत होगी।*

एलवीएम-3 रॉकेट
अंतरिक्ष मिशन का बाहुबली

ऊंचाई
142 फीट (43.4 मीटर)
आधी फुटबॉल फील्ड के बराबर

व्यास
4 मीटर

वजन
3000 किलोग्राम

पेलोड क्षमता

पृथ्वी की निचली कक्षा	पृथ्वी की ऊपरी कक्षा
10,000 किलोग्राम	4,200 किलोग्राम

- 100% मिशन सफल रहे
- दुनिया की सबसे बड़ी सॉलिड मोटर एस200 से संचालित
- चंद्रयान-2, चंद्रयान-3, वन वेब मिशन

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर जताई खुशी

इसरो की सफल लॉन्चिंग पर खुशी जताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया। जिसमें पीएम मोदी ने लिखा, 'भारत के युवाओं की ताकत से, हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम ज्यादा आधुनिक और असरदार बन रहा है। स्टड3 ने भरोसेमंद हैवी–लिफ्ट प्रदर्शन दिखाया है, जिससे हम गगनयान जैसे भविष्य के मिशन के लिए नींव मजबूत कर रहे हैं, कमर्शियल लॉन्च सेवाओं का विस्तार कर रहे हैं और वैश्विक साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं। यह बढ़ी हुई क्षमता और आत्मनिर्भरता को मिला बढ़ावा आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत बढ़िया है।'

क्यों खास है इसरो का ये मिशन?

इस सफल लॉन्चिंग की अहमियत ये है कि इससे कमर्शियल स्पेस सेक्टर में भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो की पकड़ काफी मजबूत होगी। ब्लू बर्ड ब्लॉक–2 उपग्रह का वजन लगभग 6,500 किलोग्राम है। यह पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित होने वाला सबसे बड़ा वाणिज्यिक संचार उपग्रह भी है। भारत अपने एलवीएम3 लॉन्च व्हीकल के जरिए चंद्रयान–2, चंद्रयान–3 और वैश्विक स्तर पर सैटेलाइट इंटरनेट मुहैया कराने वाली– वन वेब के सैटेलाइट लॉन्चिंग मिशन को सफलतापूर्वक अंजाम दे चुका है। वन वेब मिशन में इसरो ने एलवीएम से दो बार में कुल 72 सैटेलाइट्स पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित की थीं।

लॉन्च की गई सैटेलाइट क्यों है खास

ब्लू बर्ड ब्लॉक–2 उपग्रह एक अगली पीढ़ी (नेक्स्ट जेन) की प्रणाली का हिस्सा है। अगर यह उपग्रह सही कक्षा में स्थापित हो जाता है और कंपनी के परीक्षण सफल होते हैं तो इसके जरिए 4जी और 5जी स्मार्टफोन पर सीधे सेल्युलर ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी मिलेगी। उपभोक्ता को किसी अतिरिक्त एंटीना या कस्टमाइज्ड हार्डवेयर की जरूरत नहीं होगी। फिलहाल सेलफोन को 4जी या 5जी नेटवर्क हासिल करने के लिए मोबाइल टावर की जरूरत होती है, लेकिन इस उपग्रह के सफल होने के बाद टावर का काम खत्म हो सकता है। इस सैटेलाइट की मदद से दूरस्थ स्थानों जैसे पहाड़ी इलाकों, महासागरों और रेगिस्तानों तक मोबाइल सेवा पहुंच सकेगी और इन क्षेत्रों में 4जी–5जी नेटवर्क सुविधा पहुंचाना आसान हो जाएगा। इतना ही नहीं आपदा की स्थिति में जब टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर तूफान, बाढ़, भूकंप, भूस्खलन या दूसरी प्राकृतिक आपदाओं में तबाह हो जाते हैं, तब भी सैटेलाइट नेटवर्क बेहतर रहता

25 साल की राजनीति
छह साल से तिहाड़ में

अर्श से फर्श पर कैसे पहुंचा कुलदीप सेंगर

नाबालिग से दुष्कर्म केस में तबाह हुआ कुलदीप सेंगर का साम्राज्य

कानपुर,संवाददाता। उन्नाव दुष्कर्म मामला एक बार फिर से सुर्खियों में है। दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे पूर्व भाजपा नेता कुलदीप सिंह सेंगर की सजा को अपील लंबित रहने तक निलंबित कर दिया। आइए जानते हैं कैसे नाबालिग से दुष्कर्म केस में कुलदीप सेंगर का साम्राज्य तबाह हो गया?

दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को 2017 के उन्नाव दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे पूर्व भाजपा नेता कुलदीप सिंह सेंगर की सजा को अपील लंबित रहने तक निलंबित कर दिया और दिल्ली में रहने समेत कई सख्त शर्तों के साथ जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। हालांकि सेंगर अभी जेल से बाहर नहीं आ सकेगा। पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में 10 साल की सजा पर उसकी याचिका लंबित है जिसकी सुनवाई 16 जनवरी 2026 को होनी है।

नाबालिग से दुष्कर्म में उम्रकैद की सजा निलंबित होने की सूचना पर जहां पूर्व विधायक का खेमा खुश है, वहीं मामले की जानकारी होते ही पीड़िता अपनी मां के साथ दिल्ली के इंडिया गेट पर धरना देने के लिए बैठ गई। इसकी जानकारी पुलिस पहुंची और दोनों को जबरन वहां से उठा दिया। दुष्कर्म पीड़िता का कहना है कि सेंगर बाहर आया दोबारा इसी जगह पर धरना देगी।

हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली ,एजेंसी। दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की विशाल विरासत और संपत्ति को लेकर चल रही हाई–प्रोफाइल कानूनी लड़ाई अब अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को संजय कपूर की निजी संपत्ति को लेकर दायर दीवानी मुकदमे में सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। यह मामला न केवल एक पारिवारिक विवाद है, बल्कि इसमें अरबों रुपये की संपत्ति, कॉरपोरेट हिस्सेदारी और एक विवादित वसीयत भी शामिल है।

अभिनेत्री करिश्मा कपूर के साथ संजय कपूर की पिछली शादी से हुए बच्चों–समायरा और कियान–ने अपनी सौतेली मां प्रिया कपूर के खिलाफ अपील की थी। अदालत अब इस बात पर फैसला सुनाएगी कि क्या प्रिया कपूर को संपत्ति के लेन–देन से रोकने के लिए अंतरिम निषेधाज्ञा जारी की जाए या नहीं।

कनाडा में भारतीय महिला हिमांशी खुराना की हत्या पार्टनर अब्दुल गफूर की तलाश में पुलिस

नई दिल्ली,एजेंसी। कनाडा के टोरंटो में भारतीय नागरिक हिमांशी खुरानी की निर्मम हत्या कर दी गई। भारतीय दूतावास ने भी इस सनसनीखेज घटना पर दुख जताया है। टोरंटो पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वारंट जार किया है। भारतीय दूतावास ने घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "हम भारतीय युवा नागरिक हिमांशी खुराना की मृत्यु से स्तब्ध और दुखी हैं। शोक की इस घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ हमारी संवेदनाएं हैं।" भारतीय दूतावास ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद दिलाने का भरोसा जताया है।

पुलिस ने जारी किया वारंट

बता दें कि भारत की रहने वाली 30 वर्षीय हिमांशी खुराना का टोरंटो में मर्डर कर दिया गया। पुलिस को शक है कि आरोपी हिमांशी का पार्टनर है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वारंट जारी किया है। वहीं, 32 वर्षीय अब्दुल गफूरी का इस केस से कनेक्शन सामने आया है। शुरुआती जांच में यह मामला पार्टनर के द्वारा हिंसा का मामला लग रहा है।

हिमांशी की लाश मिलने से फैली सनसनी

टोरंटो पुलिस को शुक्रवार देर रात हिमांशी की गुमशुदगी की खबर मिली थी। पुलिस ने फौरन इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। 19 दिसंबर की रात से हिमांशी की तलाश की जाने लगी थी। 20 दिसंबर की सुबह लगभग 6:30 बजे हिमांशी का शव एक घर के अंदर मिला।

कनाडा में भारतीय महिला हिमांशी खुराना की हत्या पार्टनर अब्दुल गफूर की तलाश कर रही पुलिस पुलिस ने गफूरी के खिलाफ जारी किया वारंट

> कनाडा में भारतीय महिला हिमांशी खुराना की हत्या से सनसनी फैल गई है। पुलिस उनके पार्टनर अब्दुल गफूर की तलाश कर रही है, जो इस माम ...

गफूरी की तलाश में जुटी पुलिस

कनाडा पुलिस के अनुसार, पीड़ित और आरोपी एक–दूसरे को जानते थे। गफूरी के खिलाफ पुलिस ने फर्स्ट डिग्री वारंट जारी किया है। अगर उसका गुनाह साबित होता है, तो उसे गैर–जमानती आजीवन कारावास की सजा मिलने की संभावना है।

लखनऊ की वर्टिकल बिजली व्यवस्था में बदली जिम्मेदारी, बदले सरकारी नंबर

एक अभियंता को अभी तक फोन करने के बाद बिजली का बिल, नया कनेक्शन, पुराने कनेक्शन का विच्छेदन, मीटर से जुड़ी समस्या व अन्य बिज ...

संवाददाता, लखनऊ। राजधानी की वर्टिकल बिजली व्यवस्था में अधिकारियों की जिम्मेदारी पूरी तरह से बदल गई है। अब जिम्मेदारों के मोबाइल नंबर और कार्यप्रणाली भी बदल गई है। कुल मिलाकर एक अभियंता को अभी तक फोन करने के बाद बिजली का बिल, नया कनेक्शन, पुराने कनेक्शन का विच्छेदन, मीटर से जुड़ी समस्या व अन्य बिजली से जुड़ी समस्या का समाधान हो जाता था। अब यह पूरी तरह से बंद हो गया है। उपभोक्ता को टोल फ्री नंबर 1912 पर पूरी तरह से निर्भर रहना पड़ रहा है। इसके अलावा अगर उपभोक्ता की समस्या हल नहीं होती है तो संबंधित अभियंताओं से संपर्क कर सकता है। इसके लिए भी पहले से टोल फ्री नंबर 1912 पर शिकायत दर्ज होनी चाहिए। उसी का संदर्भ देते हुए ही शिकायतों को संज्ञान में लिया जाएगा। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक रिया केजरीवाल ने लखनऊ में लागू हुई नई वर्टिकल बिजली व्यवस्था को बेहतर ढंग से चलाने के लिए वर्टिकल बिजली व्यवस्था में लगाए गए अभियंताओं के सरकारी मोबाइल नंबर की सूची जारी की है। राजधानी की बिजली व्यवस्था को चार भागों में विभाजित किया गया है। जो पहले से ही थी। इसमें गोमती नगर जोन, जानकीपुरम जोन, अमौसी जोन और लखनऊ मध्य जोन शामिल है। इन सभी जोन में पूर्व की तरह ही मुख्य अभियंता सर्वेसर्वा है। इस व्यवस्था में सर्किल, डिवीजन, एसडीओ कार्यालय को विलुप्त करके जोन वार केंद्रीकृत व्यवस्था जारी की गई है, अब उपभोक्ता किसी भी समस्या के लिए केवल 1912 टोल फ्री नंबर पर संपर्क करेंगे या अपने निकटवर्ती उपकेंद्र जो हेल्प डेस्क के रूप में जाकर संपर्क करके अपनी समस्या बता सकते हैं।

अक्षय खन्ना ने क्यों छोड़ी दृश्यम 3

एंटरटेनमेंट डेस्क। दृश्यम 3 के मेकर्स ने कुछ समय पहले ही अपनी मच अवेटेड फिल्म की अनाउंसमेंट की थी। मूवी की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट हो गई है। फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसमें अजय देवगन, तब्बू, श्रिया सरन और रजत कपूर लीड रोल में नजर आए। लेकिन अक्षय खन्ना का नाम इसमें नहीं था जबकि वो इसकी फ्रेंचाइजी का हिस्सा थे।

पार्ट 2 में नजर आए थे

अक्षय खन्ना के सितारे जहां इस समय धुरंधर की सफलता की वजह से बुलंदियों पर हैं। वहीं फैंस को उम्मीद थी कि वो दृश्यम पार्ट 3 में भी नजर आएंगे। साल 2022 में आई दृश्यम 2 में उन्हें अपने किरदार के लिए खूब तारीफ मिली थी। हालांकि बाद में जब ये खबर आई कि अक्षय दृश्यम पार्ट 3 का हिस्सा नहीं होंगे तो फैंस में मायूसी छा गई। अब फिल्म छोड़ने की असली वजह सामने आ गई है।

क्या थी अक्षय खन्ना की डिमांड

जानकारी के अनुसार, 'छवा में अक्षय ने खलनायक के रूप में दमदार भूमिका निभाई और धुरंधर में तो उन्होंने पूरी तरह से दर्शकों का दिल जीत लिया। वह इस समय सबसे अधिक मांग वाले अभिनेताओं में से एक बनकर उभरे हैं। इसी को देखते हुए उन्होंने अपनी फीस बढ़ा दी है। दृश्यम 3 के लिए उन्होंने 21 करोड़ रुपये की मांग की थी।' मेकर्स का मानना है कि ये फीस उनके बजट से बाहर है इसलिए उन्होंने इसके लिए मना कर दिया।

मेकर्स ने क्या लिया फैसला

फीस से जुड़े मुद्दे के अलावा एक अन्य मुद्दे पर असहमति थी। एक अन्य सूत्र ने दावा किया कि अक्षय ने अपने ऑन–स्क्रीन लुक में बदलाव का सुझाव दिया था और इस भूमिका के लिए विग पहनने की इच्छा जताई थी। हालांकि, फिल्म निर्माता इस विचार के पक्ष में नहीं थे क्योंकि अभिनेता दृश्यम 2 में बिना विग के नजर आए थे। इस वजह से मेकर्स चाहते थे कि लुक में कोई बदलाव नहीं होना चाहिए।

अनन्या पांडे ने बिकिनी में दिए पोज, अपनी फिल्म को लेकर कही ये बात

ध्रुव राठी ने दीपिका पादुकोण को किया ट्रोल

एंटरटेनमेंट डेस्क। ध्रुव राठी ने कई बॉलीवुड अभिनेत्रियों को गोरा करने वाली क्रीम और उपचारों के बारे में एक वीडियो शेयर किया है। जिस पर अब दीपिका पादुकोण के प्रशंसकों ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया शेयर की है। यूट्यूबर और राजनीतिक कमेंटेटर ध्रुव राठी ने हाल ही में एक वीडियो जारी किया है, जिसका नाम *The FAKE Beauty of Bollywood Celebrities* है। इस वीडियो में उन्होंने कई बॉलीवुड अभिनेत्रियों पर त्वचा गोरा करने के इलाज करवाने का दावा किया है। इसमें दीपिका पादुकोण, बिपाशा बसु, शिल्पा शेट्टी, काजोल और प्रियंका चोपड़ा जैसे नाम शामिल हैं। ध्रुव के इस वीडियो पर अब दीपिका के फैंस ने अपनी राय पेश की है।

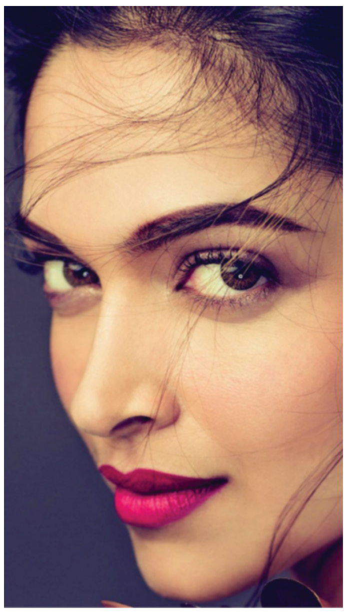

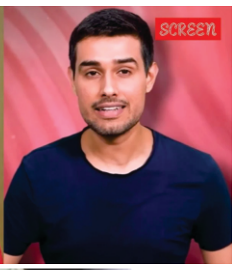

दीपिका के फैंस हुए नाराज

इस वीडियो के बाद दीपिका पादुकोण के फैंस बहुत नाराज हो गए। उन्होंने ऑनलाइन तीखी प्रतिक्रियाएं दीं और कहा कि ये आरोप बिना सबूत के हैं। एक फैन ने लिखा, 'लाइटिंग और एडिटिंग का असर होता है। मुझे नहीं लगता दीपिका ने कोई ट्रीटमेंट करवाया है।', दूसरे ने लिखा, 'दीपिका पहले ब्रॉन्जर या टैनिंग यूज करती थीं। उनकी बचपन की फोटो देखो, वो इतनी सांवली नहीं थीं। ये 2000 के दशक का टैनिंग ट्रेंड था। त्वचा का रंग धूप और स्किन केयर से बदल सकता है।', एक और यूजर ने लिखा, 'यह सिर्फ लाइटिंग और अच्छे कैमरे का कमाल है। दीपिका का रंग पहले जैसा ही है। एयरपोर्ट की नॉर्मल फोटो देखो, तो पता चलेगा कि वो सांवली ही हैं।' फैंस का कहना है कि ध्रुव के ये आरोप बेबुनियाद हैं।

क्या है इस वीडियो में

वीडियो में ध्रुव राठी ने कहा कि कई अभिनेत्रियां करियर की शुरुआत में थोड़ी सांवली दिखती थीं, लेकिन अब काफी गोरी लगती हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि ऐसा कैसे हुआ, तो वे कहती हैं कि पहले धूप में ज्यादा रहती थीं, अब नहीं रहतीं। कुछ तो गोरा करने वाली क्रीम के विज्ञापन भी करती हैं। लेकिन असल वजह न क्रीम है न धूप से बचना। वजह है ग्लूटाथियोन इंजेक्शन, जो त्वचा गोरा करने का पॉपुलर तरीका है।

पत्नी आकांक्षा के बचाव में आए गौरव खन्ना

एंटरटेनमेंट डेस्क। गौरव खन्ना उस वक्त चर्चाओं में आ गए जब उनकी पत्नी आकांक्षा का एक डांस वीडियो सामने आया था। आकांक्षा को इस पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। अब गौरव ने पत्नी का बचाव करते हुए इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया दी है।

बिग बॉस 19 का समापन हुए 20 दिनों का वक्त बीत चुका है, लेकिन शो के विजेता गौरव खन्ना लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। बेशक इसके कारण अलग–अलग हैं। बीते दिनों गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला को एक पार्टी में डांस करने पर ट्रोल किया गया था। अब गौरव अपनी पत्नी के समर्थन में आए हैं और उन्होंने पत्नी का बचाव करते हुए इस पूरे मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

गौरव ने बताई पूरी स्थिति

बीते दिनों गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। इस वीडियो में आकांक्षा एक पार्टी में कुछ लोगों के साथ डांस कर रही थीं। इस वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर नेटिजेंस उन्हें ट्रोल करने लगे। कई लोगों ने उनके डांस मूव्स पर सवाल उठाए तो कुछ ने उनके वहां होने और उनके व्यवहार पर भी कमेंट किए। अब इन सब ट्रोलिंग पर गौरव खन्ना की प्रतिक्रिया सामने आई है और उन्होंने अपनी पत्नी का बचाव किया है। हंगामा स्टूडियो के साथ बातचीत के दौरान गौरव ने कहा कि सबसे पहले मैं सभी को बताना चाहता हूं कि आकांक्षा जिन लड़कियों के साथ डांस कर रही थीं, वे मेरी पब्लिसिस्ट टीम की सदस्य थीं। उन्होंने बिग बॉस 19 के घर में मेरे रहने के दौरान कड़ी मेहनत की थी। यह उनकी सफलता की पार्टी थी और हम उनके जश्न में शामिल होने के लिए वहां गए थे। चूंकि मुझे डांस करना ज्यादा पसंद नहीं है, इसलिए मेरी पत्नी आकांक्षा ने सोचा कि उन्हें भी उनके साथ शामिल होना चाहिए और इस पल को और खास बनाना चाहिए। क्योंकि यह हम सबकी जीत थी।

सोशल मीडिया की बातों पर नहीं देता ध्यान

अपनी बात को आगे जारी रखते हुए गौरव खन्ना ने कहा कि उनमें से कई तो यह भी नहीं जानते कि वह किसके साथ डांस कर रही थी। मैं बस पीछे खड़ा रहा और उसे इसका आनंद लेने दिया क्योंकि आखिर यह मेरी टीम की जीत थी। मेरी गैरमौजूदगी में इन्हीं लोगों ने मेरे लिए कड़ी मेहनत की थी और उन्हें भी एंजॉय करने का हक है। जहां तक ट्रोलर्स की बात है, मुझे उनसे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि मैं समझता हूं कि वे किसी न किसी के प्रशंसक हैं। उनका भी कोई न कोई मकसद होता है जिससे वे इस जोड़े को नीचा दिखा सकें, ताकि हमारी पसंदीदा सेलिब्रिटी बेहतर दिखें। मैं सोशल मीडिया यूजर्स की बातों पर ध्यान नहीं देता। आकांक्षा काफी चिल और एंजॉय करने वाली हैं और मुझे उनका ये स्वभाव पसंद है।

क्रिकेट से शतरंज तक, इस साल भारत की ऐतिहासिक खेल उपलब्धियां, रिकार्ड भी टूटे और गोल्ड भी बरसे

स्पोर्ट्स डेस्क। 2025 भारत के लिए खेलों के लिहाज से इतिहास रचने वाला वर्ष रहा। व्यक्तिगत स्तर पर कई उपलब्धियों ने भारतीय खेल को वैश्विक पहचान दिलाई। साथ ही टीम इंडिया ने प्ब्ब चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती। ये उपलब्धियां न सिर्फ आज बल्कि आने वाले वर्षों में भारत को खेल की दुनिया में ऊंचा स्थान देती रहेंगी। साल 2025 भारतीय खेल इतिहास के उन खास वर्षों में शामिल हो गया, जब देश ने एक साथ कई खेलों में वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का एहसास कराया। क्रिकेट में जहां भारतीय पुरुष टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतकर अपना दबदबा कायम रखा, वहीं नवी मुंबई में महिला टीम की पहली वर्ल्ड कप जीत ने इतिहास रच दिया। इसके साथ ही शतरंज में डी. गुकेश और दिव्या देशमुख जैसे युवा सितारों ने भारत को नई पहचान दिलाई, जबकि नीरज चोपड़ा ने जैवलिन थ्रो में एक बार फिर देश का परचम लहराया। पैरा–स्पोर्ट्स और एशियाई खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया कि 2025 सिर्फ उपलब्धियों का साल नहीं, बल्कि भारत के खेल महाशक्ति बनने की कहानी का अहम पड़ाव रहा।

1. 2025 एशियन यूथ गेम्स में रिकॉर्ड प्रदर्शन

भारत ने 2025 एशियाई यूथ गेम्स में अपनी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज की, जहां 48 कुल पदक। इनमें 13 गोल्ड, 18 सिल्वर और 17 ब्रॉन्ज शामिल हैं। यह सबसे बड़ी एशियाई युवा खेल उपलब्धि थी और इससे भविष्य के युवा खेल सितारों को 2026 युथ ओलंपिक्स के लिए क्वालिफाइंग स्लॉट भी मिले। भारतीय युवा एथलीट्स ने कुश्ती, बॉक्सिंग, एथलेटिक्स, कबड्डी, वेटलिफ्टिंग सहित विभिन्न खेलों में दमदार प्रदर्शन दिखाया।

2. इतिहास रचाः विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में गोल्ड

2025 में विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम ने गोल्ड मेडल जीता। यह भारत का विश्व चैंपियनशिप में पहला कंपाउंड तीरंदाजी गोल्ड था। टीम में ऋषभ यादव, प्रभात सलुनखे और पृथमेश फुगे जैसे युवा खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिससे इस खेल में भारत की बढ़ती क्षमता स्पष्ट हुई।

3. एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार मेडल टैली

भारत ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में दूसरा स्थान हासिल किया और कुल 24 पदक जीते, जिसमें कई गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज में राष्ट्रीय रिकॉर्ड शामिल थे। गुलवीर सिंह ने 5000 मीटर और 10,000 मीटर दोनों में गोल्ड जीता, जबकि अविनाश साबले और ज्योति याराजी सहित कई युवा एथलीटों ने शीर्ष स्तर पर भारत का नाम रौशन किया।

4. शूटिंग वर्ल्ड कपः भारत का पहला गोल्ड

20 साल के सम्राट राणा ने अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में विश्व चैम्पियनशिप गोल्ड जीता। यह भारत के लिए शूटरिंग वर्ल्ड में एक ऐतिहासिक पल था और इस युवा खिलाड़ी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का गौरव बढ़ाया।

5. विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में दिखा भारत का दम

ग्रेटर नोएडा में आयोजित 2025 के विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप फाइनल्स में जैस्मिन लैंबोरिया ने महिला 57 किग्रा कैटेगरी में गोल्ड जीता। इसके अलावा नुपुर सेरोन ने +80 किग्रा में सिल्वर हासिल किया, जिससे यह अभियान भारतीय मुक्केबाजी के इतिहास के कुछ सबसे सफल अभियानों में से एक बन गया। विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स 2025 में भारत ने कुल 20 पदक (9 स्वर्ण, 6 रजत, 5 कांस्य) जीतकर शानदार प्रदर्शन किया।

6. खो–खो विश्व कप 2025– विश्व खिताब जीत

भारतीय महिला खो–खो टीम ने 2025 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपनी झोली में डाला। ढाका में हुए फाइनल में चीनी ताइपे को मात देकर यह उपलब्धि भारतीय पारंपरिक खेल की वैश्विक वृद्धि को दर्शाती है।

7. चैंपियंस ट्रॉफी में चला भारतीय टीम का जादू

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में न्यूज़ीलैंड को हराकर तीसरा चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता। रोहित शर्मा की कप्तानी में यह ऐतिहासिक जीत वनडे क्रिकेट में देश की मजबूत पहुंच को दर्शाती है।

8. चेस में ग्लोबल रिकॉर्ड और सम्मान

भारत के युवा विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने 2025 में मैग्नस कार्लसन सहित शीर्ष प्रतिभाओं को पराजित किया और प्रतिष्ठित खेल रत्न सहित कई बड़े सम्मान हासिल किए। यह उपलब्धि भारत को अंतरराष्ट्रीय बुद्धि खेलों में उंचा स्थान दिलाती है।

9. भारतीय महिला टीम पहली बार बनी वर्ल्ड चैंपियन

2025 का साल भारतीय महिला क्रिकेट के लिए स्वर्णिम अध्याय बनकर आया, जब टीम इंडिया ने पहली बार महिला वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। फाइनल मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने आत्मविश्वास, संयम और आक्रामकता का शानदार संतुलन दिखाते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम को हराया। कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम ने पूरे टूर्नामेंट में निरंतरता बनाए रखी, जबकि युवा खिलाड़ियों ने बड़े मंच पर बेखौफ प्रदर्शन कर यह साबित किया कि भारतीय महिला क्रिकेट अब नए युग में प्रवेश कर चुका है। यह खिताबी जीत न सिर्फ एक ट्रॉफी थी, बल्कि महिला क्रिकेट को बराबरी, पहचान और सम्मान दिलाने वाला पल भी साबित हुई, जिसने देशभर में लाखों लड़कियों को खेल के मैदान तक पहुंचने का सपना दिखाया।

10. भारत का गौरव बनीं तीरंदाज शीतल देवी

वहीं, पैरा–तीरंदाज शीतल देवी ने वर्ल्ड टाइटल जीतकर देश का मान बढ़ाया। इतना ही नहीं, शीतल ने इतिहास रचते हुए जेद्दा में होने वाले एशिया कप (चरण तीन) के लिए भारत की सक्षम जूनियर टीम में जगह बना ली। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि शीतल अब उन कुछ खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं जो पैरालंपिक के साथ–साथ सक्षम (सामान्य) प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा ले रही हैं। विश्व कंपाउंड चैंपियन बनने के बाद अब शीतल ने साबित कर दिया है कि सीमाएं शरीर में नहीं, सोच में होती हैं।

11. भारतीय दृष्टिबाधित महिला टीम ने जीता टी20 विश्व कप का खिताब

2025 में भारतीय महिला दृष्टिबाधित टीम ने टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया। भारतीय टीम ने कोलंबो के पी सारा ओवल में खेले गए फाइनल मुकाबले में नेपाल को सात विकेट से हराया। इस टूर्नामेंट का आयोजन पहली बार हो रहा था और भारत इस वैश्विक टूर्नामेंट को जीतने में सफल रहा। भारत ने नेपाल को पांच विकेट पर 114 रन पर रोक दिया था। जवाब में टीम ने 12 ओवर में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

12. व्यक्तिगत और अन्य खेलों में भारत का ऐतिहासिक दबदबा

साल 2025 में भारत ने केवल टीम खेलों में ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत और उभरते खेलों में भी दुनिया भर में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। शतरंज में डी. गुकेश का प्रदर्शन साल भर चर्चा में रहा, वहीं दिव्या देशमुख ने थ्प्क्म महिला वर्ल्ड कप जीतकर भारतीय शतरंज के स्वर्णिम भविष्य की झलक दिखाई। एथलेटिक्स में नीरज चोपड़ा ने जैवलिन थ्रो में 90 मीटर का आंकड़ा पार कर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की, जबकि ताइवान एथलेटिक्स ओपन में भारत ने ओवरऑल टेबल टॉप कर अपनी गहराई साबित की। पैरा–स्पोर्ट्स में भारत ने नई ऊंचाइयों को छुआ। नई दिल्ली में हुए वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 22 पदक जीते, वहीं इटली में आयोजित स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड विंटर गेम्स में 33 पदकों के साथ अब तक का सबसे सफल अभियान दर्ज किया। इसके अलावा नित्तेन कित्तने ने पिकलबॉल वर्ल्ड कप में डबल गोल्ड हासिल किया, जबकि भारतीय महिला आइस हॉकी टीम ने एशिया कप में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतकर एक नया अध्याय जोड़ा।

पूर्व भारतीय स्टार ने चुना विश्व कप स्क्वाड शुभमन गिल को फिर नहीं मिला मौका

टी20 विश्व कप 2026

स्पोर्ट्स डेस्क। टी20 विश्व कप 2026 के लिए आकाश चोपड़ा ने अपनी 13 सदस्यीय टीम का चुनाव किया। इस टीम में उन्होंने स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल को शामिल नहीं किया है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने गुरुवार को टी20 विश्व कप 2026 के लिए वैकल्पिक भारतीय टीम का चयन किया। हैरानी की बात यह है कि इस टीम में भी शुभमन गिल को शामिल नहीं किया गया है। दरअसल, आगामी विश्व कप के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा चुने गए 15 सदस्यीय स्क्वॉड में भी गिल शामिल नहीं हैं। क्रिकेट विश्लेषकों का मानना है कि खराब फॉर्म के चलते वह टी20 टीम में जगह नहीं बना सके जबकि मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने टीम कॉम्बिनेशन के चलते उन्हें ड्रॉप करने का फैसला किया।

खराब फॉर्म बना सबसे बड़ी वजह

शुभमन गिल का टी20 में हालिया प्रदर्शन लगातार सवालों के घेरे में रहा है। एशिया कप के दौरान टीम में वापसी के बाद से उन्होंने 15 मैचों में सिर्फ 291 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 137.26 रहा है, जिसमें एक भी अर्धशतक या शतक शामिल नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई टी20 सीरीज में भी गिल का बल्ला खामोश रहा और उन्होंने तीन मैचों में सिर्फ 32 रन बनाए, जिससे उनके चयन पर दबाव और बढ़ गया।

संजू सैमसन संभालेंगे ओपनिंग की जिम्मेदारी

टी20 विश्व कप 2026 के लिए चुनी गई टीम में शुभमन गिल को जगह नहीं दी गई। भारतीय प्रशंसकों के लिए यह चौंकाने वाला फैसला था। 26 वर्षीय बल्लेबाज को भारत का अगला तीनों प्रारूपों का कप्तान माना जा रहा था। हाल ही में उन्हें टी20 टीम का उपकप्तान भी बनाया गया था। लेकिन खराब फॉर्म और उपलब्ध विकल्पों को देखते हुए टीम प्रबंधन ने उन्हें पूरी तरह टीम से बाहर करने का फैसला किया। अब ओपनिंग की जिम्मेदारी एक बार फिर संजू सैमसन निभाएंगे, जबकि ईशान किशन को बैकअप विकल्प के तौर पर टीम में शामिल किया गया है।

टी20 विश्व कप 2026 के लिए आकाश चोपड़ा की वैकल्पिक भारतीय टीम

ऋतुराज गायकवाड़, यशस्वी जयसवाल, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, जितेश शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, क्रुणाल पांड्या, दीपक चाहर, युजवेंद्र चहल, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, केएल राहुल।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद–विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

स्पोर्ट्स डेस्क। कैमरन ग्रीन पर आईपीएल 2026 मिनी ऑक्शन में 25.20 करोड़ की बोली लगी, लेकिन विदेशी खिलाड़ियों की सैलरी कैप और भारत–ऑस्ट्रेलिया दोनों देशों के टैक्स नियमों के कारण उनकी वास्तविक टेक–होम सैलरी करीब 9.75 करोड़ रुपये ही हो सकती है। यह मामला आईपीएल में विदेशी खिलाड़ियों की कमाई और नियमों को लेकर एक बार फिर बहस का केंद्र बन गया है। आईपीएल 2026 की मिनी नीलामी में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने 25.20 करोड़ रुपये की बड़ी बोली लगाई। बाहर से देखने पर यह रकम चौंकाने वाली लगती है, लेकिन असलियत यह है कि टैक्स और बीसीसीआई के नियमों के बाद ग्रीन की वास्तविक टेक–होम सैलरी सिर्फ करीब 9.75 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

विदेशी खिलाड़ियों के लिए 18 करोड़ की सैलरी कैप

आईपीएल के नियमों के मुताबिक, कोई भी विदेशी खिलाड़ी 18 करोड़ रुपये से ज्यादा सैलरी नहीं ले सकता, चाहे उस पर कितनी भी बड़ी बोली क्यों न लगी हो। कैमरन ग्रीन के मामले में भी यही हुआ। 25.20 करोड़ की बोली में से 7.20 करोड़ रुपये सीधे काटकर बीसीसीआई के प्लेयर वेलफेयर फंड में चले गए, जबकि फ्रेंचाइजी को पूरी बोली की रकम अपने पर्स से चुकानी पड़ी।

भारत में टैक्स कटौती कैसे हुई?

18 करोड़ की सैलरी पर भारत में कई स्तरों पर टैक्स लगता है। इनमें टीडीएस, टीडीएस पर सरचार्ज और टीडीएस–सरचार्ज पर सेस शामिल हैं। कैमरन ग्रीन की बची हुई 18 करोड़ की राशि में से सबसे पहले 20 प्रतिशत टीडीएस काटा जाएगा।